राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार ,27 सितंबर-2021 वर्ष-4,अंक-246 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नागरिकों की जासूसी के कानूनी आधार विषय पर आयोजित हुआ ऐतिहासिक 66 वां राष्ट्रीय आरटीआई वेबिनार

नागरिकों की जासूसी के कानूनी आधार विषय पर इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन के संस्थापक ने विस्तार से की चर्चा

कार्यक्रम में जुड़े विशिष्ट वक्ता के तौर पर लॉयर और इन्टरनेट फ्रीडम फाउंडेशन के संस्थापक अपार गुप्ता ने बताया की नागरिकों की निगरानी के कानूनी आधार स्पष्ट होना चाहिए की कौन-कौन एजेंसी, लोग अथवा विभाग नागरिकों की निगरानी कर सकते हैं. इसके विषय में सुप्रीम कोर्ट में मामला गया जिसमे टेलीग्राफ एक्ट के रूप में कानून आया जिसमें यह भी तय हुआ की कौन कहाँ कैसे और किन किन चीजों की निगरानी हो सकती है. इसके विषय में इंटरसेप्शन रूल बनाये गए. आरटीआई के विषय में उन्होंने बताया की कुछ उनके मित्र आरटीआई लगाकर जानकारी मागी की एक वर्ष में सरकार द्वारा कितने किन किनके रिकॉर्डिंग टैप की गई. उन्होंने कहा की सरकार को आर्डर पास कर इन-कैमरा हियरिंग करानी चाहिए जिसमें कोई इंटरसेप्शन का कार्य किस अवधि के लिए होगा. उन्होंने बताया की 10 वर्ष पहले टैक्स इवेसन एजेंसी, रॉ, और आईबी सहित दर्जनों एजेंसियों को सरकार ने नोटिफाई किया और इन कंपनियों को इंटरसेप्शन की परमिशन दिया था और सर्विलांस के लिए कुछ अधिकार दिए. उन्होंने यह भी बताया की आज मोबाइल का जमाना है और बहुत सी जानकारी हमारे मोबाइल में भरी रहती है जिसका आज दुरुपयोग हो रहा है. जीपीएस रीडिंग से लेकर हर जानकारी आज मोबाइल में विभिन्न सेंसर के माध्यम से स्टोर रहते हैं जिसको रिमोट एजेंसी और फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर आदि के माध्यम चुराए जा रहे हैं. अपार गुप्ता ने बताया की उन्होंने आरटीआई लगाईं थी और किन किन लोगों के कितने सर्विलांस हुए जब मांगा गया तो बताया गया यह जानकारी नहीं दी जा सकती. क्योंकि यह जानकारी पब्लिक महत्त्व की नहीं है और नेशनल सिक्यूरिटी और धारा 8 का हवाला दे दिया गया. उन्होंने बताया की जो जानकारी महत्त्व की है उसे मांगा जाता है लेकिन सर्विलांस की जानकारी सरकार द्वारा नष्ट किया जाता है.

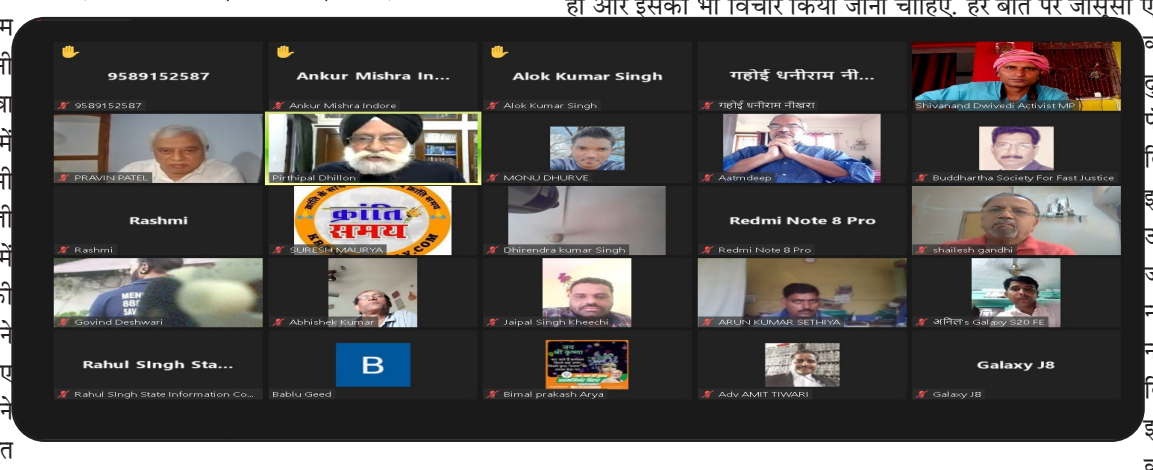

क्या सरकारें अब कुत्तों की भी जासूसी कराएंगी? – विपुल मुद्गल

कार्यक्रम में आगे अपने विचार रखते हुए वरिष्ठ पत्रकार विपुल मुद्गल ने बताया की हम सूचना आयुक्त राहुल सिंह की बात पर ही चर्चा करते हैं और बताया की जहाँ हमे राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर सचेत रहने की जरूरत है वहीं जासूसी किस प्रकार की कहाँ-कहाँ हो और इसका भी विचार किया जाना चाहिए. हर बात पर जासूसी एक अच्छे लोकतान्त्रिक देश की निशानी नहीं है. उन्होंने बताया की कई राष्ट्र के लोग आपस में ही जासूसी करते हैं और उसका फिर दुरुपयोग करते हैं. उन्होंने कहा की नई दिल्ली सरकार ने कहा की पौने तीन लाख सीसीटीवी कैमरा दिल्ली में लगाए जा रहे हैं और दिल्ली अब न्यूयॉर्क और शंघाई से आगे भी निकल चुका है. क्या इतने कैमरा लगा देने से हमे कुछ विशेष लाभ होगा?

उन्होंने कहा की हमारी गतिविधियों की हर बात की रिकॉर्डिंग और जासूसी हो रही है और हम ताली बजाते हैं की हम शंघाई और न्यूयॉर्क के आगे निकल रहे हैं. उन्होंने कहा की यह अच्छा ट्रेंड नहीं है और हर बात की जासूसी करना विकास, सभ्यता, आपसी विश्वास की निशानी नहीं है. उन्होंने दिल्ली सरकार से पूछा की क्या इतनी जासूसी के बाद दिल्ली में महिला अपराध बंद हो गए हैं? क्या जासूसी ही हर बात का समाधान है? उन्होंने तंज भी कसा और कहा की कहा कुत्तों पर भी सीसीटीवी कैमरा लगाया जाएगा? मुद्गल ने एक प्राइवेट स्कूल का उदाहरण देते हुए बताया की स्कूल में टीचर, छात्रों की निगरानी और जासूसी की जा रही थी और ऐसा लगा जैसे हमारे देश में चारों तरफ जासूसी का एक गंदा माहौल बना दिया गया है.

जब तक इन सबकी मॉनिटरिंग और रेगुलेशन नहीं किया जता की कौन अगेंसी किन किन चीजों की जासूसी करेगी और उसका कानूनी आधार क्या होगा तब तक इन सबका कोई सेंस नहीं बनता. एक सभ्य देश में इतनी अधिक जासूसी किया जाना गलत है. यह तभी होता है जब एक एक डेमोक्रेटिक देश ऑटोक्रेसी की तरफ जा रहा हो. और हमे एक लोकतंत्र होने के नाते आम नागरिकों की हो रही अंधाधुंध निगरानी का विरोध करना चाहिए.

सुरक्षा और आतंकवाद जैसी गतिविधियों के लिए निगरानी आवश्यक – शैलेश गांधी

कार्यक्रम के अगले विशिष्ट वक्ता के तौर पर पूर्व केन्द्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी ने बताया की हमे अब यह समझना पड़ेगा की जो पब्लिक प्लेस में रिकॉर्डिंग हो रही है वह सब ऐसे ही चलता रहेगा. हाँ हम अपने घरों में यह न होने दें इसका ध्यान रख सकते हैं. जिस प्रकार आज आतंकवाद फ़ैल रहा है उसको लेकर यदि देखा जाय तो अब यह समय की जरूरत भी है. क्योंकि टैपिंग के माध्यम और साथ में सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्डिंग होने से काफी जानकारी रिकॉर्ड हो जाती है और पब्लिक प्लेस में हो रही गलत गतिविधियों को भी पकड़ा जा सकता है. उन्होंने बताया की कई बार आरटीआई में ऐसी जानकारी सामने आती थी जिसे नेशनल सिक्योरिटी के तौर पर भी देखा जा रहा था तो उन्होंने बताया की हमने पूछा था की यह कैसे सीक्रेट है और क्यों नहीं दी जा सकती यह पीआईओ को बताना पड़ेगा. इस प्रकार उन्होंने बताया की अब तो यह समय आ गया है जब हमे कैमरों का आदी होना पड़ेगा और उन्होंने बताया की इससे कैसे निजात मिलेगी उन्हें नहीं पता.

सरकारें ढोंग बंद करें, एक तरफ दुनिया की सबसे बड़ी लोकशाही कहना और आम नागरिकों की जासूसी करवाना दोनों साथ साथ नहीं चलेगा – प्रवीण भाई पटेल

कार्यक्रम में अगले वक्ता के तौर पर अपना विचार रखते हुए नेशनल फेडरेशन फॉर सोसाइटी फॉर फ़ास्ट जस्टिस के संयोजक सामाजिक कार्यकर्ता प्रवीण भाई पटेल ने बताया इसी प्रकार एक नीरा राडिया के विषय में बेफजूल की जानकारियां इकट्ठा की गई थी जिसमें वह कौन से कपड़े पहनती है, क्या खाती हैं? इस प्रकार से जानकारियां सामने आई थी जो कि पूरी तरह से न तो नेशनल सिक्युरिटी से संबंधित थी और न ही किसी भी प्रकार से नैतिक कही जा सकती है. इसलिए क्योंकि क्योंकि पेगासस का मामला अभी सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया में लंबित है और जल्द ही इस विषय पर कोई निर्णय होने वाला है इसलिए वह इसका इंतजार कर रहे हैं लेकिन यदि देखा जाए तो जासूसी के ऐसे मामले जो जिसमें चाहे वह जज हों, वकील हो, राजनेताओं, आईएएस अधिकारियों, व्यापारिक वर्ग हो, सामान्य नागरिक हो यह सब नैतिक नहीं ठहराए जा सकते। इसके लिए हम आवाज उठाएंगे और अपने फोन के माध्यम से भी गैरकानूनी जासूसी पर रोक लगाए जाने की मांग करेंगे. एक कॉर्पोरेट व्यक्ति मंत्रियों को फिक्स करने की बात कर सकता है जो पूरी तरह से अपने लाभ की बात करें तो यह नेशनल सिक्यूरिटी की जानकारी नहीं कही जा सकती. एक तरफ तो हम अपने आप को दुनिया के सबसे बड़ी लोकशाही कहेंगे और दूसरी तरफ यह सब जासूसी करवाते रहेंगे तो यह नैतिक नहीं कहा जा सकता. उन्होंने बताया की इस विषय पर आगे भी चर्चा होगी लेकिन पहले पेगासस पर सुप्रीम कोर्ट की वर्डिक्ट आ जाए तब आगे बात की जाय क्योंकि मामला अभी न्यायालय में है तो ज्यादा कहना उचित नहीं होगा.

मप्र फीस और अपील अधिनियम की धारा 8(6)(2) के तहत हमने जारी किया अरेस्ट वारंट – सूचना आयुक्त राहुल सिंह

कार्यक्रम में आगे मध्य प्रदेश के वर्तमान सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने बताया कि हालांकि सरकार द्वारा नागरिकों की निगरानी समय-समय पर की जाती है और इसमें कई प्रकार के फैक्टर इंवॉल्व रहते हैं जिसमें सरकार सभी बातें स्पष्ट नहीं करती है क्योंकि राष्ट्र की सुरक्षा से संबंधित भी कई मामले रहते हैं अत: नागरिकों की जासूसी या निगरानी सरकार को करने से तो नहीं रोका जा सकता लेकिन इसके लिए भी एक रेगुलेशन और नियम बनाए जाने चाहिए कि किन-किन स्थितियों में क्या-क्या निगरानी के अंतर्गत आएगा। उन्होंने अभी हाल ही में मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयोग में बुरहानपुर जिले के चीफ मेडिकल ऑफिसर को अरेस्ट वारंट जारी किए जाने के विषय में बताया कि मध्य प्रदेश सरकार के फीस और अपील अधिनियम की धारा 8(6)(2) के तहत ऐसा प्रावधान है जिसमें यदि तीन बार और उससे अधिक कारण बताओ नोटिस जारी की जा चुकी है और लोक सूचना अधिकारी आयोग में अपना जवाब प्रस्तुत नहीं करते तो उन स्थितियों में आयोग जुर्माने की राशि की वसूली के लिए जमानती वारंट जारी कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह कोई नई बात नहीं है और इसके पहले पंजाब और हरियाणा में भी कुछ सूचना आयुक्तों ने ऐसा वारंट जारी किया है। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, उड़ीसा, झारखंड, राजस्थान, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, जम्मू कश्मीर, नई दिल्ली, पश्चिम बंगाल, गुजरात, उत्तराखंड आदि राज्यों से सैकड़ों की संख्या में आरटीआई एक्टिविस्ट, सामाजिक कार्यकर्ता और अन्य जागरूक नागरिक जुड़े और इस विशेष कार्यक्रम का लाभ प्राप्त किया।

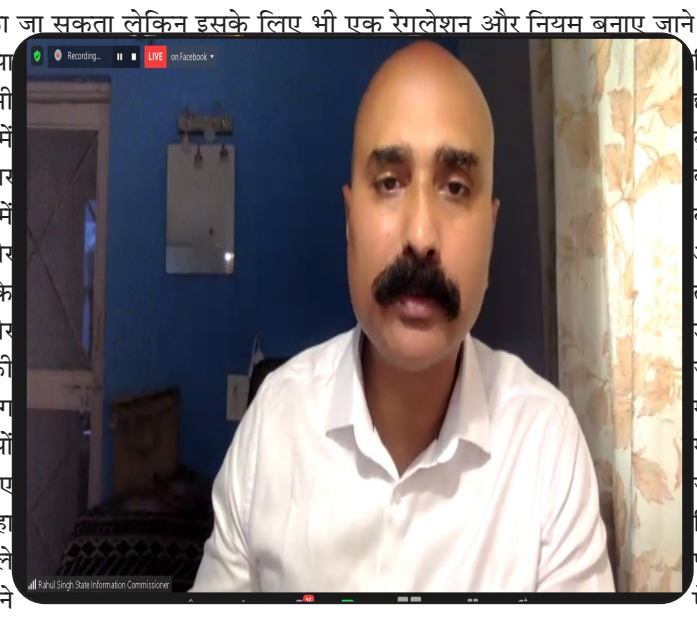

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अदालत में गैंगवार

न्याय के घर में न्यायाधीश न्याय करते हैं, लेकिन जब वहां भी पहुंचकर अपराधी कानून-व्यवस्था को धता बताने लगें, तो न केवल शर्मनाक, बल्कि दुखद स्थिति बन जाती है। राष्ट्रीय राजधानी में उच्च सुरक्षा वाली रोहिणी कोर्ट में सरेआम गोलियां चलीं और दो बदमाशों ने एक बदमाश को ढेर कर दिया। मजबूरन पुलिस को भी अदालत में ही दोनों हथियारबंद बदमाशों के खिलाफ अंतिम विकल्प का सहारा लेना पड़ा। शायद यह एक असहज सवाल होगा, लेकिन क्या पुलिस उन अपराधियों को पकड़ने की कोशिश नहीं कर सकती थी? आखिर ये अपराधी अदालत में घुसे कैसे? इनकी हिम्मत कैसे पड़ी कि वकीलों का चोला पहनकर उन्होंने वकील बिरादरी पर लोगों के विश्वास को हिलाया? क्या उच्च सुरक्षा वाले उस कोर्ट परिसर में वकीलों को प्रवेश से पहले रोकने-टोकने-जांचने की हिम्मत पुलिस में नहीं है? बेशक, यह जो कमी है, उसके लिए पुलिस के साथ-साथ वकीलों की भी एक जिम्मेदारी बनती है। सोचना चाहिए कि राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत में यह खिलवाड़ हुआ है, तो देश में बाकी अदालतों में जांच-प्रवेश की कैसी व्यवस्था होगी? अदालत परिसर में भी तो कम से कम ऐसी चौकसी होनी चाहिए कि कोई अपराधी किसी प्रकार के हथियार के साथ न घुस सके। क्या हमारे न्याय के घर अपराधियों के लिए तफरी या वारदात की जगह में बदलते जाएंगे? अदालत में हुई इस गैंगवार ने कानून-व्यवस्था के इंतजाम को झकझोर कर रख दिया है। वकीलों और पुलिसकर्मियों से भरे रहने वाले परिसर में न्याय का यह बर्बर मजाक नहीं तो क्या है? क्या पिछले वर्षों में राष्ट्रीय राजधानी में अपराधियों का दुस्साहस बढ़ गया है? मारे गए बदमाश गोगी की गैंग हो या उसे मारने वाले ताजपुरिया की गैंग, इनके लिए भला राष्ट्रीय राजधानी में कैसे जगह निकल आई है? यहां अपराधियों को कौन पनपा रहा है या कौन पनपने दे रहा है? रोहिणी कोर्ट की इस वारदात की रोशनी में पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अपराध जगत पर नजर फेर लेनी चाहिए। स्थिति अच्छी नहीं है, विगत वर्षों में दिल्ली न सिर्फ दंगों की गवाह रही है, दिल्ली ने किसान आंदोलन के नाम पर भी दिल्ली सीमा से लाल किले तक अपराधियों का तांडव देखा है। अब भी अगर सचेत नहीं हुए, तो क्या राष्ट्रीय राजधानी अपना आकर्षण खोने नहीं लगेगी? राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में लगातार दूसरे वर्ष दिल्ली में 20 लाख से अधिक आबादी वाले 19 महानगरीय शहरों में अधिकतम अपराध दर दर्ज हुए हैं। चेन्नई कुल 88,388 मामलों के साथ सूची में दूसरे स्थान पर रहा। दिल्ली में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत 150.6 प्रति दस लाख जनसंख्या की दर से 2,45,844 मामले दर्ज हुए। हां, हो सकता है, दिल्ली में लोग ज्यादा जागरूक हों, पुलिस भी रिपोर्ट दर्ज करने में आगे हो, लेकिन तब भी दिल्ली को ऐसी किसी भी स्याह सूची में नीचे ही आना चाहिए। साल 2011 के अनुसार, दिल्ली में एक करोड़ साठ लाख से ज्यादा लोग थे, अब आबादी दो करोड़ के आसपास होगी, इतने बड़े शहर की कानून-व्यवस्था संभालने वाली एजेंसियों को इतना ज्यादा मुस्तैद रहने की जरूरत है कि यहां किसी भी अपराधी को फन फैलाने का कोई मौका न मिले।

'आज के ट्वीट

बधाई

प्रदेश में लाखों अभ्यर्थियों ने रीट परीक्षा सफलतापूर्वक दी है। इसके लिए आमजन के साथ-साथ जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, शिक्षकगण, एनजीओ, सामाजिक संस्थाएं, बस ऑपरेटर्स इत्यादि ने यथासंभव अपेक्षित सहयोग दिया, जिसके लिए वे धन्यवाद के पात्र हैं। सभी प्रदेशवासियों को बधाई।-- मु. अशोक गहलोत

नारी कब तक बेचारगी का जीवन जीयेगी?

- ललित गर्ग

हम तालिबान-अफगानिस्तान में बच्चियों एवं महिलाओं पर हो रही क्रूरता, बर्बरता शोषण की चर्चाओं में मशगूल दिखाई देते हैं लेकिन भारत में आए दिन नाबालिग बच्चियों से लेकर वृद्ध महिलाओं तक से होने वाली छेड़छाड़, बलात्कार, हिंसा की घटनाएं पर क्यों मौन साध लेते हैं? इस देश में जहां नवरात्र में कन्या पूजन किया जाता है, लोग कन्याओं को घर बुलाकर उनके पैर धोते हैं और उन्हें यथासंभव उपहार देकर देवी मां को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं वहीं इसी देश में बेटियों को गर्भ में ही मार दिये जाने एवं नारी अस्मिता एवं अस्तित्व को नौंचने की त्रासदी भी है। इन दोनों कृत्यों में कोई भी तो समानता नहीं बल्कि गज़ब का विरोधाभास दिखाई देता है। दुनियाभर में महिलाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरूकता एवं आन्दोलनों के बावजूद महिलाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी महिलाओं की स्थिति, कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में महिला की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, महिलाओं की सुरक्षा, महिलाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है। क्योंकि एक टीस-सी मन में उठती है कि आखिर नारी कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा? दरअसल छोटी लड़कियों या महिलाओं की स्थिति अनेक मुस्लिम और अफ्रीकी देशों में दयनीय है। जबकि अनेक मुस्लिम देशों में महिलाओं पर अत्याचार करने वालों के लिये सख्त सजा का प्रावधान है, अफगानिस्तान-तालिबान का अपवाद है। वहां के तालिबानी शासकों ने महिलाओं को लेकर जो फरमान जारी किए हैं वो महिला-विरोधी होने के साथ दिल को दहलाने वाले हैं। नये तालिबानी फरमानों के अनुसार महिलाएं आठ साल की उम्र के बाद पढ़ाई नहीं कर सकेंगी। आठ साल तक वे केवल कुरान ही पढ़ेंगी। 12 साल से बड़ी सभी लड़कियों और विधवाओं को जबरन तालिबानी लड़कों से निकाह करना पड़ेगा। बिना बुर्के या बिना अपने मर्द के साथ घर से बाहर निकलने वाली महिलाओं को गोली मार दी जाएगी। महिलाएं कोई नौकरी नहीं करेंगी और शासन में भागीदारी नहीं करेंगी। दूसरे मर्द से रिश्ते बनाने वाली महिलाओं को कोडों से पीटा जाएगा। महिलाएं अपने घर की बालकनी में भी बाहर नहीं झांकेंगीं। इतने कठोर, क्रूर, बर्बर और अमानवीय कानून लागू हो जाने के बावजूद अफगानिस्तान की पढ़ी-लिखी और जागरूक महिलाएं बिना डरे सड़कों पर जगह-जगह प्रदर्शन कर रही हैं। दुनिया की बड़ी शक्तियों को इन महिलाओं स्वतंत्र अस्तित्व को बचाने के लिये आगे आना चाहिए।तमाम जागरूकता एवं सरकारी प्रयासों के भारत में भी महिलाओं की स्थिति में यथोचित बदलाव नहीं आया है। भारत में भी जब कुछ धर्म के ठेकेदार हिंसात्मक और आक्रामक तरीकों से महिलाओं को सार्वजनिक जगहों पर नैतिकता का पाठ पढ़ाते हैं तो वे भी तालिबानी ही नजर आते हैं। विरोधाभासी बात यह है कि जो लोग नारी को संस्कारों की सीख देते हैं, उनमें से बहुत से लोग, धर्मगुरु, राजनेता एवं समाजसुधारक महिलाओं के प्रति कितनी कुत्सित मानसिकता का परिचय देते आए हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। इनके चरित्र का दोहरापन जगजाहिर हो चुका है। कोई क्या पहने, क्या खाए, किससे प्रेम करे और किससे शादी करें, सह-शिक्षा का विरोधी नजरिया- इस तरह की पुरुषवादी सोच के तहत महिलाओं को उनके हकों से वंचित किया जा रहा है, उन पर तरह-तरह की बंदिशें एवं पहरे लगाये जा रहे हैं। वक्त बीतने के साथ सरकार को भी यह बात महसूस होने लगी है। शायद इसीलिए सरकारी योजनाओं में महिलाओं की भूमिका को अलग से चिह्नित किया जाने लगा है। आये दिन कोई न कोई महिला अत्याचार, बलात्कार एवं शोषण की घटना सुनाई देती है जो दिल को दर्द से भर देती है और बहुत कुछ सोचने को विवश कर देती है। देश के किसी एक भाग में घटी कोई घटना सभी महिलाओं के लिए चिंता पैदा कर देती है। यूं तो महिलाओं के संरक्षण के लिए बहुत सारे कानून बने हैं लेकिन अपराधियों को इनका ज़रा भी खौफ क्यों नहीं? जब देश में ऐसी कोई घटना घटित होती है तो क्यों लंबे समय तक तारीख पर तारीख लगती रहती हैं? तुरंत फैसला क्यों नहीं हो जाता इन हैवानों एवं महिला अत्याचारियों का? इन आपराधिक घटनाओं को रोकने के लिए क्या हमें भी कुछ मुस्लिम देशों की जैसी क्रूर सज़ा का प्रावधान करना चाहिए? एक अपराधी से कानून को क्यों हमदर्दी हो जाती हैं जो उसे अपना पक्ष रखने का अवसर सालों साल मिलता रहता है। आश्चर्य इस बात का होता है कि इन अपराधियों के माता-पिता भी इन्हें बचाने के लिए जी जान से जुड़ जाते हैं। इस तरह कानून का संरक्षण नहीं मिलने से औरत संघर्ष के अंतिम छोर पर लड़ाई हारती रही है। लेकिन महिलाओं के प्रति एक अलग तरह का नजरिया इन सालों में बनने लगा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नारी के संपूर्ण विकास की संकल्पना को प्रस्तुत करते हुए अनेक योजनाएं लागू की है, जिनमें अब नारी सशक्तीकरण और सुरक्षा के अलावा और भी कई आयाम जोड़े गए हैं। सबसे अच्छी बात इस बार यह है कि समाज की तरक्की में महिलाओं की भूमिका को आत्मसात किया जाने लगा है। एक कहावत है कि औरत जन्मती नहीं, बना दी जाती है और कई कट्टर मान्यता वाले औरत को मर्द की खेती समझते हैं। इसीलिये आज की औरत को हाशिया नहीं, पूरा पृष्ठ चाहिए। पूरे पृष्ठ, जितने पुरुषों को प्राप्त हैं। पर विडम्बना है कि उसके हिस्से के पृष्ठों को धार्मिकता के नाम पर 'धर्मग्रंथ' एवं सामाजिकता के नाम पर 'खाप पंचायते' घेरे बैठे हैं। पुरुष-समाज को उन आदतों, वृत्तियों, महत्वाकांक्षाओं, वासनाओं एवं कट्टरताओं को अलविदा कहना ही होगा जिनका हाथ पकड़कर वे उस ढ़लान में उतर गये जहां रफ्तार तेज है और विवेक अनियंत्रण हैं जिसका परिणाम है नारी पर हो रहे नित-नये अपराध और अत्याचार। पुरुष-समाज के प्रदूषित एवं विकृत हो चुके तौर-तरीके ही नहीं बदलने हैं बल्कि उन कारणों की जड़ों को भी उखाड़ फेंकना है जिनके कारण से बार-बार नारी को जहर के घूंट पीने एवं बेचारगी को जीने को विवश होना पड़ता है। पुरुषवर्ग नारी को देह रूप में स्वीकार करता है, लेकिन नारी को उनके सामने मस्तिष्क बनकर अपनी क्षमताओं का परिचय देना होगा, उसे अबला नहीं, सबला बनना होगा, बोझ नहीं शक्ति बनना होगा। 'यत्र पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता'- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु आज हम देखते हैं कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे 'भोग की वस्तु' समझकर आदमी 'अपने तरीके' से 'इस्तेमाल' कर रहा है, यह बेहद चिंताजनक बात है। आज अनेक शक्लों में नारी के वजूद को धुंधलाने की घटनाएं शक्ल बदल-बदल कर काले अध्याय रच रही है।

देश में गैंग रेप की वारदातों में कमी भले ही आयी हो, लेकिन उन घटनाओं का रह-रह कर सामने आना त्रासद एवं दुःखद है। आवश्यकता लोगों को इस सोच तक ले जाने की है कि जो होता आया है वह भी गलत है। महिलाओं के खिलाफ ऐसे अपराधों को रोकने के लिए कानूनों की कठोरता से अनुपालना एवं सरकारों में इच्छाशक्ति जरूरी है। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के विरोध में लाए गए कानूनों से नारी उत्पीड़न में कितनी कमी आयी है, इसके कोई प्रभावी परिणाम देखने में नहीं आये हैं, लेकिन सामाजिक सोच में एक स्वतः परिवर्तन का वातावरण बन रहा है, यहां शुभ संकेत है।

आध्यात्मिक उन्नति

श्रीराम शर्मा आचार्य

कर्मयोगियों को सुशील, मनोहर मिलनसार प्रकृति का होना होगा। उसको पूर्ण रूप से, अनुकूलता, क्षमाशीलता, सहानुभूति करने वाला, विश्व प्रेम, दया के गुणों से युक्त रहना होगा। उनको दूसरों की चाल तथा आदतों के अनुकूल ही अपने को बनाना होगा। उनको अपने हृदय को ऐसा बनाना होगा कि सभी को अपने गले लगा सकें। उन्हें अपने मन को शांत तथा समतुल्य रखना होगा। दूसरों को सुखी देखकर उनको प्रसन्न होना होगा। अपनी सब इंद्रियों को अपने वश में करना होगा। अपना जीवन बहुत सादगी से व्यतीत करना होगा। उन्हें अनादर, अपकीर्ति, निन्दा, कलंक, लज्जित होना, कठोर वचन सुनना, शीत-उष्ण तथा रोगों के कष्ट को सहना होगा। उन्हें सहनशील होना होगा। उनको आप में, ईश्वर में, शास्त्रों में, अपने गुरु के वचन में पूरा विश्वास रखना होगा। जो मनुष्य संसार की सेवा करता है वह अपनी ही सेवा करता है। जो मनुष्य दूसरों की मदद करता है वास्तव में वह अपनी ही मदद करता है। यह सदा ध्यान में रखने योग्य बात है। जब आप दूसरे व्यक्ति की सेवा करते हैं, जब आप अपने देश की सेवा करते हैं तब आप यह समझकर कि ईश्वर ने आपको सेवा द्वारा अपने को उन्नत तथा सुधारने का दुर्लभ अवसर दिया है। उस मनुष्य के आप कृतज्ञ हों जिसने आपको सेवा करने का अवसर दिया हो। कर्मयोग ही मन को अन्तर्ज्योति तथा आत्मज्ञान की प्राप्ति का उपयुक्त पात्र बनाता है। वह हृदय को विशाल बनाकर सब प्रकार के बाधा-विघ्न को जो एकता प्राप्त करने में बाधक हुआ करते हैं, हटा देता है। कर्मयोग ही चित्त वृद्धि के लिए एक सफल साधन है। निष्काम सेवा करने से आप अपने हृदय को पवित्र बना लेते हैं। अहंभाव, घृणा, ईर्ष्या, श्रेष्ठता का भाव और उसी प्रकार के और सब आसुरी सम्पत्ति के गुण नष्ट हो जाते हैं। नम्रता, शुद्ध प्रेम, सहानुभूति, क्षमा, दया की वृद्धि होती है। भेद-भाव मिट जाते हैं। स्वार्थपरता निर्मूल हो जाती है। आपका जीवन विस्तृत तथा उदार हो जाएगा। आप एकता का अनुभव करने लगेंगे। अंत में आपको आत्मज्ञान प्राप्त हो जाएगा। आप सब में 'एक' और 'एक' में ही सबका अनुभव करने लगेंगे। आप अत्यधिक आनंद का अनुभव करने लगेंगे। संसार कुछ भी नहीं है केवल ईश्वर की ही विभूति है। लोक सेवा ही ईश्वर की सेवा है। सेवा को ही पूजा कहते हैं।

नशा-कारोबार के मददगार भी नपें

कृष्ण प्रताप सिंह

नशे के वैध-अवैध और देशी-विदेशी सौदागर देश के युवाओं के भविष्य के साथ कैसे खिलवाड़ में लगे हुए हैं, इसकी एक मिसाल डीआरआई यानी राजस्व खुफिया निदेशालय और कस्टम अधिकारियों द्वारा चलाये गये संयुक्त अभियान में गुजरात के मुंद्रा पोर्ट से, दो कंटेनरों में भरी करीब 3000 किलो हेरोइन बरामद किया जाना भी है। गुजरात राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का गृह प्रदेश तो रहा ही है, मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का गृह प्रदेश भी है। ऐसे प्रदेश में इस तरह हेरोइन की बरामदगी से साफ है कि नशे के सौदागर पूरी तरह बेखौफ हैं। बहरहाल, बरामद हेरोइन की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत पन्द्रह हजार करोड़ रुपये तक बतायी जा रही है। खबरों के अनुसार जिन कंटेनरों से उक्त हेरोइन पकड़ी गयी, उनको आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा स्थित एक फर्म द्वारा अफगानिस्तान के कंधार स्थित फर्म हसन हुसैन लिमिटेड से आयात किया गया और कागजात में हेरोइन को टेल्कम पाउडर बताया गया था। राजस्व खुफिया निदेशालय और कस्टम अधिकारियों की मानें तो वे इसकी सूचना पाने के बाद पांच दिनों से उसकी बरामदगी का ऑपरेशन चला रहे थे और अब सुरागों के आधार पर अहमदाबाद, चेन्नई, विजयवाड़ा और राजधानी दिल्ली वगैरह में भी छापे मार रहे हैं। लेकिन सवाल है कि क्या नशे के कारोबार पर अंकुश के लिए ऐसे ऑपरेशन ही पर्याप्त हैं और उन्हीं के बूते हम अपनी नयी पीढ़ी को नशे से बचाने का लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं? इसका सीधा जवाब है - नहीं। ऐसा तब तक नहीं हो सकता, जब तक इस कारोबार को लेकर राजनीति और साथ ही उसको संरक्षण बन्द न हो। इस सिलसिले में सोशल मीडिया पर पूछा जा रहा यह सवाल कुछ हलकों के लिए अप्रिय व असुविधाजनक भले हो, उसका जवाब जरूरी है कि कहीं हेरोइन की यही बरामदगी पंजाब, महाराष्ट्र या सीमावर्ती राज्यों में सबसे संवेदनशील कश्मीर में हुई होती तो अब तक सत्ता के केन्द्रीय गलियारे उस पर कैसी प्रतिक्रिया दे रहे होते? इस सवाल को इन गलियारों के समर्थकों से भी पूछा जा सकता है, जिन्होंने पिछले साल बालीवुड से जुड़े कुछ अभिनेताओं व अभिनेत्रियों के पास से 10-15 ग्राम नशीली वस्तुएं मिलने को भी बेहद सनसनीखेज बनाकर परोसा था। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की दुर्भाग्यपूर्ण मौत के बाद उन्होंने बॉलीवुड में नशे के कारोबार की कहानियों में भांति-भांति के मसाले मिलाकर सायास ऐसा माहौल बनाया था, जिससे लगे कि ग्लैमर की दुनिया का सबसे काला सच नशे का गोरखधंधा ही है। इससे पहले पंजाब में नशे की समस्या पर केंद्रित फिल्म 'उड़ता पंजाब' पर काफी विवाद खड़ा हुआ था और उसे अनावश्यक रूप से क्षेत्र विशेष की अस्मिता से भी जोड़ा गया था। पंजाब की बात करें तो वहां तो 2017 के विधानसभा चुनाव में भी नशा एक बड़ा मुद्दा बनकर उभरा था। तब वहां कांग्रेस नेता कैप्टन अमरेंद्र सिंह ने चार हफ्ते में नशे के कारोबारियों की कमर तोड़ने की कसम खाई थी। लेकिन विडम्बना देखिये कि अब कैप्टन चार साल मुख्यमंत्री रहने के बाद इस्तीफा दे चुके हैं, तो भी इन कारोबारियों की कमर पूरी तरह सही-सलामत है और राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस के प्रतिद्वंद्वी दल इसे चुनावी मुद्दा बनाने में लगे हुए हैं। गुजरात की इस बरामदगी के सिलसिले में भी, जिसका बहुत ढोल

पीटा जा रहा है, अफगानिस्तान से निकली हेरोइन की खेप का गुजरात तक निर्विघ्न पहुंचना साफ बताता है कि उसके परिवहन का रास्ता हमवार करने में ऐसी शक्तियां भी लगी हुई थीं, जिन्हें हम अदृश्य शक्तियां कहते हैं। अब सरकारी एजेंसियां और प्रशासन इस बरामदगी को लेकर ईमानदार हैं तो उनको सख्ती से उन शक्तियों की शिनाख्त कर उन पर भी शिकंजा कसना होगा। अन्यथा बड़ी मछलियां फिर बच निकलेंगी। यह भी समझना होगा कि नशे के बड़े सौदागरों के रैकेट अंतर्राष्ट्रीय हुआ करते हैं और वे किसी देश की सीमा अथवा स्वार्थों में नहीं बंधा करते। इसे यों भी समझा सकते हैं कि जिस अफगानिस्तान से हेरोइन की उक्त खेप गुजरात को निर्यात की गई, उस पर अब तालिबान का राज है तो कहा जा रहा है कि उसका नशे का कारोबार और निर्भय होकर दुनिया के अनेक देशों में, जिनमें भारत भी शामिल है, नये-नये गुल खिलायेगा । इस लिहाज से निस्संदेह, हमें पहले से ज्यादा सचेत होने की जरूरत है। लेकिन इस सवाल की भी कतई उपेक्षा नहीं की जा सकती कि बीस साल के अपने राज में अमेरिका ने भी अफगानिस्तान में नशे के कारोबार को नियंत्रित या विनियमित करने की कोई कोशिश क्यों नहीं की? इसके पीछे उसकी कौन-सी स्वार्थ साधना थी? बताने की जरूरत है क्या?

आज का राशिफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखत व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विदेशी निवेशकों ने सितंबर में भारतीय बाजारों में किया 21,875 करोड़ रुपए का निवेश

(एजेंसी):

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर में भारतीय बाजारों में 21,875 करोड़ रुपये का निवेश किया है। भारतीय बाजारों को लेकर एफपीआई का दीर्घावधि का परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एक से 23 सितंबर के दौरान एफपीआई ने शेयरों में 13,536 करोड़ रुपए और ऋण या बांड बाजार में 8,339 करोड़ रुपए डाले हैं। इस तरह उनका शुद्ध निवेश 21,875 करोड़ रुपए रहा। अगस्त में भारतीय बाजारों में एफपीआई का शुद्ध निवेश 16,459 करोड़ रुपए रहा था। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक (शोध) हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ''भारतीय शेयर बाजारों में तेजी, दीर्घावधि का सकारात्मक परिदृश्य, आर्थिक पुनरुद्धार की संभावना और कंपनियों की आय में सुधार से विदेशी निवेशक भारतीय शेयरों में निवेश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि इसके अलावा चीन में गिरावट से भी भारत को लाभ हुआ है। इससे भारत दीर्घावधि के परिप्रेक्ष्य से विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक निवेश गंतव्य बन गया है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, ''एमएससीआई वर्ल्ड इंडेक्स और एमएससीआई ईएम इंडेक्स की तुलना में निफ्टी का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है जिससे भारतीय बाजारों के प्रति एफपीआई का आकर्षण बढ़ा है।'' कोटक सिक्योरिटीज के कार्यकारी उपाध्यक्ष (इक्विटी तकनीकी शोध) श्रीकांत चौहान ने कहा कि अन्य उभरते बाजारों की बात की जाए, तो ताइवान को कुल 148.2 करोड़ डॉलर का निवेश प्रवाह मिला है। दक्षिण कोरिया, थाइलैंड, इंडोनेशिया और फिलिपीन में समीक्षाधीन अवधि में निवेश का प्रवाह क्रमशः 122.3 करोड़ डॉलर, 35.8 करोड़ डॉलर, 26.8 करोड़ डॉलर और 3.8 करोड़ डॉलर रहा है।

एचडीएफसी बैंक ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ाएगा, 2,500 लोगों की नियुक्ति करेगा

मुंबई, निजी क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता एचडीएफसी बैंक ने रविवार को कहा कि वह ग्रामीण इलाकों में अपनी पहुंच को दोगुना कर दो लाख गांव तक करेगा। इसके लिए बैंक ने अगले छह माह में 2,500 लोगों की नियुक्ति करने का फैसला किया है। बैंक ने कहा कि उसका लक्ष्य अगले 18-24 महीनों में शाखा नेटवर्क, व्यापार प्रतिनिधियों, सीएससी (साझा सेवा केंद्रों), भागीदारों, आभासी संबंध प्रबंधन और डिजिटल पहुंच मंचों के जरिये ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति को दोगुना करने का है। इससे पहले रविवार को ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों की पहुंच पर निराशा व्यक्त करते हुए उनसे अपनी उपस्थिति को और अधिक बढ़ाने के लिए कहा था। एचडीएफसी बैंक के समूह प्रमुख (वाणिज्यिक और ग्रामीण बैंकिंग) राहुल शुक्ला ने कहा, ''भारत के ग्रामीण और अर्द्धशहरी बाजारों में बैंक ऋण का विस्तार कम हैं। वे भारतीय बैंकिंग प्रणाली के लिए स्थायी दीर्घकालिक विकास के अवसर पेश करते हैं।''

उत्तर प्रदेश ने गन्ने का खरीद मूल्य 25 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाया

लखनऊ, केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के विरोध में पिछले नौ माह से आंदोलन कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा के 'भारत बंद' से ठीक एक दिन पहले रविवार को उत्तर प्रदेश के मुख्ये यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा किसानों के हक में लागू की गई योजनाओं की चर्चा करते हुए गन्ना मूल्य में प्रति क्विंटल 25 रुपये की वृद्धि की घोषणा की। आदित्यनाथ ने राजधानी लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी के किसान मोर्चा द्वारा आयोजित 'किसान सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने तय किया है कि अब तक प्रति क्विंटल जिस गन्ने का दाम 325 रुपये मिलता था, उसमें 25 रुपये की वृद्धि की जाएगी और यह अब प्रति क्विंटल 350 रुपये मिलेगा।'' मुख्यमंत्री ने आगे कहा ''सरकार ने तय किया है कि सामान्य गन्ने का जो 315 रुपये (प्रति क्विंटल) अब तक दाम था, उसमें भी अब 25 रुपये की वृद्धि होगी और प्रति क्विंटल 340 रुपये का भुगतान होगा। साथ ही सरकार ने अनुपयुक्ते त गन्ने के दाम में भी प्रति क्विंटल 25 रुपये की वृद्धि करने का फैसला किया है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि नई तकनीक के साथ किसान को अत्याधुनिक बीज दें ताकि वे भी अगेती गन्ना का ही उत्पादन करने की दिशा में आगे बढ़ें। आदित्यनाथ ने किसानों को इस नई घोषणा के फायदे बताते हुए कहा, ''इससे गन्ना किसानों की आय में अतिरिक्त आठ प्रतिशत की वृद्धि होगी और 45 लाख किसानों के जीवन में परिवर्तन होगा। यह परिवर्तन सामान्य नहीं है। 119 चीनी मिलों को चलाना है और एथनॉल के साथ इसे जोड़ना है।''

सेंसेक्स की शीर्ष -10 कंपनियों का मार्केट कैप 1.56 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

(एजेंसी):

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 1,56,317.17 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। इस दौरान सेंसेक्स पहली बार रिकॉर्ड 60,000 अंक के स्तर के पार गया। वहीं निफ्टी 18 हजार के स्तर को छूने के करीब पहुंच गया है। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,032.58 अंक या 1.74 प्रतिशत के लाभ में रहा। शुक्रवार को सेंसेक्स ने इतिहास बनाया और यह पहली बार 60,000 अंक के स्तर को पार कर गया। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 58,671.55 करोड़ रुपए बढ़कर 15,74,052.03 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। गुरुवार को दिन में कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 16 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गया था। सप्ताह के दौरान इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 30,605.08 करोड़ रुपए बढ़कर 7,48,032.17 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। बजाज फाइनेंस को 22,173.04 करोड़ रुपए का लाभ हुआ और उसका बाजार मूल्यांकन 4,70,465.58 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज की बाजार हैसियत 15,110.63 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 14,32,013.76 करोड़ रुपए रही।

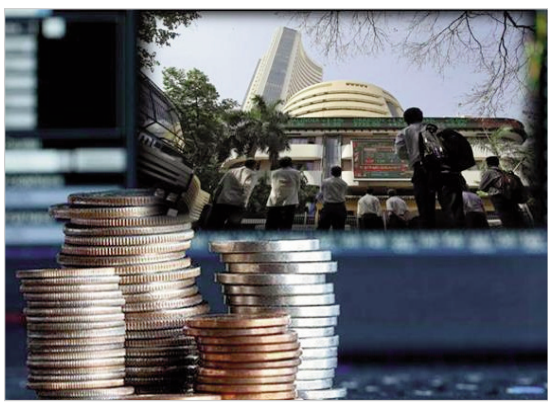

HDFC बैंक का मार्केट कैप 9 लाख करोड़ के करीब

इसी तरह एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 10,142 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 8,86,739.86 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 6,068.69 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 4,05,970.66 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 4,863.65 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ 6,44,199.18 करोड़ रुपए रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार मूल्यांकन 4,254.75 करोड़ रुपए बढ़कर 4,01,978.75 करोड़ रुपए पर और एचडीएफसी का 2,523.56 करोड़ रुपए के उछाल से 5,13,073.85 करोड़ रुपए रहा। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 1,904.22 करोड़ रुपए बढ़कर 5,01,080.90 करोड़ रुपए रही।

दूसरे नंबर पर TCS

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल और कोटक महिंद्रा बैंक का स्थान रहा।

टीवीएस मोटर अगले दो साल में दोपहिया, तिपहिया वाहनों की पूरी श्रृंखला पेश करेगी; ईवी गाड़ियों पर नजर

नयी दिल्ली, चेन्नई स्थित टीवीएस मोटर कंपनी अगले दो वर्षों में पांच से 25 किलोवॉट तक क्षमता वाले इलेक्ट्रिक दोपहिया और तीन पहिया वाहनों की पूरी श्रृंखला पेश करेगी। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा की टीवीएस देश के उभरते इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। टीवीएस ने पारंपरिक इंजन वाहनों पर निवेश जारी रखने के साथ ही अपने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कारोबार पर 1,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। टीवीएस मोटर कंपनी के संयुक्त प्रबंध निदेशक सुदर्शन वेणु ने कहा, ''हम ईवी को लेकर उत्साहित हैं। हम ईवी क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए क्षमता और उत्पादों के निर्माण में निवेश कर रहे हैं। हमारा मानना है कि यह खंड तेजी से बढ़ेगा।'' उन्होंने कहा कि कंपनी नए इलेक्ट्रिक वाहनों के विकास पर 500 से अधिक इंजीनियरों की एक टीम के साथ 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर रही है। वेणु ने कहा, ''हमारे पास एक पूरी श्रृंखला होगी, जिसे हम अगले दो वर्षों के दौरान यात्री और मालवहन (खंड) में पांच से 25 किलोवॉट तक क्षमता वाले दोपहिया और तिपहिया मॉडल पेश करेंगे।''

सैमसंग भारत मे लाया मिड रेंज टैबलेट गैलेक्सी टैब ए7 लाइट

नई दिल्ली। कोरोना के दौरान वर्क फ्रॉम होम कल्चर या ऑनलाइन कक्षाओं के साथ टैबलेट एक महत्वपूर्ण डिवाइस बना गया हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, सैमसंग ने हाल ही में भारतीय यूजर्स के लिए एक नया टैब गैलेक्सी टैब ए 7 लाइट का अनावरण किया है। गैलेक्सी टैब ए 7 लाइट 3जीबी प्लस 32जीबी स्टोरेज वैरिएंट में आता है, जिसकी कीमत लाइट के लिए 14,999 रुपये और वाईफाई मॉडल के लिए 11,999 रुपये है। यह ग्रे और सिल्वर के दो स्टाइलिश कलर में उपलब्ध है। लुक्स के मामले में यह टैबलेट स्लिम बेजल्स के साथ स्लीक है। इसका वजन लगभग 366 ग्राम है। इसमें एक कॉम्पैक्ट फॉर्म फैक्टर है और यह 8 मिमी पतला है। यह टैबलेट पोर्टेबल और ले जाने में आसान है। गैलेक्सी टैब ए7 लाइट में 8.7 इंच का डिस्प्ले है और इसका रिजॉल्यूशन 1340 एक्स800 पिक्सल है। डिस्प्ले नियमित स्मार्टफोन की तुलना में बड़ा है। स्क्रीन इतनी चमकदार है कि इसे दिन के उजाले में इस्तेमाल किया जा सकता है। कैमरों की बता करें तो इसमें गैलेक्सी टैब ए7 लाइट में 8एमपी का रियर कैमरा और सेल्फी के लिए 2एमपी का कैमरा है। गैलेक्सी टैब ए7 लाइट में डॉल्बी एटमॉस सराउंड साउंड के साथ शक्तिशाली डुअल स्पीकर भी हैं। यह टैबलेट 1.8 गीगा हर्ट्ज ऑक्टा-कोर मीडियाटेक हीलियो पी22टी (एमटी8768टी) प्रोसेसर द्वारा संचालित है, जो सुचारू और तेज गेमिंग प्रदर्शन सुनिश्चित करता है क्योंकि चिपसेट को वैश्विक सेलुलर कनेक्टिविटी के साथ अत्यधिक मोबाइल और सक्षम टैबलेट उपकरणों के लिए डिजाइन किया गया है। एमटी8768टी एक कनेक्टिविटी सिस्टम को एम्बेड करता है जिसमें 4जी लाइट केट-7 मॉडेम, वाई-फाई, ब्लूटूथ और जीएनएसएस शामिल हैं। स्टोरेज के मामले में, टैबलेट 32जीबी तक की इंटरनल स्टोरेज के साथ आता है और जिसे माइक्रोएसडी कार्ड के साथ 1टीबी तक बढ़ाया जा सकता है। टैबलेट में 5100एमएएच की लंबी चलने वाली बैटरी, 15वॉट अडैप्टिव फास्ट चार्जिंग है, जो एक बार चार्ज करने पर लगभग एक दिन तक चलता है। गैलेक्सी टैब ए7 लाइट एक अच्छा डिवाइस है जो युवा भारतीय उपभोक्ताओं की मनोरंजन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बोलीं- देश को एसबीआई जैसे चार-पांच और बैंक की जरूरत

(एजेंसी):

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था और उद्योगों की बदल रही जरूरतों को पूरा करने लिए स्टेट बैंक (एसबीआई) जैसे चार-पांच और बैंक की जरूरत है। सीतामरण ने भारतीय बैंक संघ (आईबीए) की 74वीं आम सभा की बैठक को संबोधित करते हुए कहा, हमें अर्थव्यवस्था और उद्योग की हालिया वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बैंकिंग को बढ़ाने की जरूरत है। देश को एसबीआई जैसे चार-पांच और बैंकों की जरूरत है। अर्थव्यवस्था पूरी तरह से एक अलग धरातल पर शिफ्ट हो रही है, ऐसे में कई नई चुनौतियां भी सामने हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि देश की बैंकिंग प्रणाली को तत्काल और दीर्घकाल में कैसा होना चाहिए, इसकी कल्पना उद्योगों को करनी चाहिए। यदि कोरोना महामारी के बाद के परिदृश्य को देखा जाए तो डिजिटलीकरण को बेहद सफल तरीके से अपनाने के कारण देश के लिए बैंकिंग रूपरेखा बहुत ही अनोखी हो गई है। महामारी के दौरान कई देशों में बैंक अपने ग्राहकों तक नहीं पहुंच सके लेकिन डिजिटलीकरण के कारण भारतीय बैंकों ने डीबीटी और डिजिटल तंत्र के माध्यम से छोटे, मध्यम और बड़े खाताधारकों को धन हस्तांतरित करने में मदद की है। उन्होंने बैंकिंग उद्योग के लिए एक स्थायी भविष्य बनाने में निर्बाध और परस्पर जुड़ी डिजिटल प्रणाली के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि भविष्य में देश की बैंकिंग व्यवस्था काफी हद तक डिजीटल प्रक्रियाओं द्वारा संचालित होगी। सीतारमण ने डिजिटलीकरण के फायदों के बावजूद कहा कि वित्तीय सेवाओं तक पहुंच में व्यापक असमानताएं हैं। देश के कुछ हिस्से ऐसे हैं, जहां बैंक जरूरी हैं। उन्होंने आईबीए को तकर्संगत दृष्टिकोण और डिजिटल प्रौद्योगिकियों का अधिकतम इस्तेमाल कर हर जिले में बैंकिंग की पहुंच में सुधार करने के लिए कहा। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए उन्होंने आईबीए को प्रत्येक जिले के लिए सभी बैंक शाखाओं की डिजिटलीकृत स्थान-वार मैपिंग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि देश की लगभग 7.5 लाख पंचायतों में से दो-तिहाई के पास ऑप्टिकल फाइबर कनेक्शन है ऐसे में आईबीए को विचार कर यह तय करना चाहिए कि बैंकों की भौतिक उपस्थिति कहां होनी चाहिए और हम कहां-कहां शाखाओं के बिना भी ग्राहकों की सेवा करने में सक्षम हैं। वित्त मंत्री ने बैंकरों को प्रौद्योगिकी में तेजी से बदलाव के अनुरूप उसे अपनाने की आवश्यकता दुहराते हुए कहा, ''हम जो आज सोचते हैं वह हमारे लिए नया है लेकिन एक साल में वह पुराना हो जाएगा इसलिए हमें खुद को लगातार अपडेट करने के लिए संसाधन जुटाने होंगे। वर्ष 2030 तक दो लाख करोड़ डॉलर के निर्यात का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें एक लाख करोड़ डॉलर मर्चेंडाइज और एक लाख करोड़ डॉलर का सेवा निर्यात शामिल है। तेजी से बदलाव के इस युग में महामारी के बाद, हम ग्राहकों को कैसे देखते हैं इसमें बहुत सारी चुनौतियां आने वाली हैं। इन चुनौतियों का समाधान तब तक नहीं किया जा सकता जब तक कि बैंक विभिन्न व्यवसायों और क्षेत्रों की अच्छी समझ हासिल नही कर ले। इसलिए, बैंकिंग उद्योग को अलग-अलग क्षेत्रों की अनूठी व्यावसायिक जरूरतों और तेजी से रीलोकेट होने वाले कई व्यवसायों को समझने के लिए विशेषज्ञों की आवश्यकता है।

3 अक्टूबर से शुरू होने वाला है अमेजन का ग्रेट इंडियन फेस्टिवल सेल

बेंगलुरू (एजेंसी)।

छोटे मध्यम व्यवसायों (एसएमबी) को समर्थन देने की अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए, अमेजॅन इंडिया ने रविवार को घोषणा की है कि वह 3 अक्टूबर से अपना ग्रेट इंडियन फेस्टिवल (जीआईएफ) 2021 शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। कंपनी ने कहा कि अमेजॅन जीआईएफ 2021 लाखों छोटे विक्रेताओं को समर्पित है, जिसमें 450 शहरों की 75,000 से अधिक स्थानीय दुकानें शामिल हैं, जो देश भर के ग्राहकों को अपने उत्पादों के अनूठे चयन की पेशकश करता हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा, हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता ग्राहकों का विश्वास और हमारे विक्रेताओं, विशेष रूप से लाखों छोटे विक्रेताओं और पूरे भारत में हजारों स्थानीय दुकानदारों को लाभ होता है। अमेजॅन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल अब 3 अक्टूबर, 2021 से शुरू होगा और हमेशा की तरह, प्राइम मेंबर्स के पास जल्दी पहुंच होगा। शॉपिंग फेस्टिवल में विभिन्न अन्य कार्यक्रमों जैसे कि अमेजॅन लॉन्चपैड, अमेजन सहेली, अमेजन कारीगर के साथ-साथ सभी श्रेणियों में शीर्ष भारतीय और वैश्विक ब्रांडों के तहत अमेजन विक्रेताओं के उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। इस फेस्टिवल में सैमसंग, वनप्लस, श्याओमी, सोनी, एप्पल, बोट, लेनोवो, एचपी, आसुस, फॉसिल, लेवीज, बीबा, एलन सॉली, एडिडास आदि जैसे शीर्ष ब्रांडों के 1,000 से अधिक नए उत्पाद लॉन्च होंगे। भारत में अमेजन बिजनेस के ग्राहक अपने ग्राहकों या कर्मचारियों के लिए अपनी नियमित व्यावसायिक खरीदारी या कॉर्पोरेट उपहार देने के लिए विशेष ऑफर, थोक छूट, कम उत्सव मूल्य ऑफर, कैशबैक, पुरस्कार और बहुत कुछ प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

ऑडी ने कहा, आयातित इलेक्ट्रिक वाहनों पर शुल्क घटाए सरकार

(एजेंसी):

जर्मनी की लक्जरी कार कंपनी ऑडी ने भारत में आयातित कारों पर लगने वाली कर की ऊंची दरों को इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र की वृद्धि के लिए बाधा करार दिया है। कंपनी ने आयातित कारों पर कर की दरों में कटौती का आग्रह किया है। कंपनी ने कहा कि शुल्कों में कुछ राहत से भी वह अधिक वाहन बेच सकेगी और अपने मुख्यालय को ऐसे वाहनों के स्थानीय विनिर्माण के लिए निवेश के प्रति आश्वस्त कर पाएगी। ऑडी की देश में फिलहाल पांच बिजली चालित यानी इलेक्ट्रिक वाहन बेचती है। कंपनी ने कहा कि आयात किए जाने वाले मॉडलों पर कर में कमी से वाहन के मूल्य को कम करने में मदद मिलेगी। साथ ही बाजार में वह एक निश्चित मात्रा में बिक्री के आंकड़े को हासिल कर पाएगी। ऑडी ने कहा कि यदि कंपनी को बाजार में एक निश्चित हिस्सेदारी मिलती है तो वह अपने वैश्विक मुख्यालय को भारत विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए देश में फिर से निवेश करने के लिए मनाने की कोशिश करेगी। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि कंपनी देश में आयातित अपने इलेक्ट्रिक वाहनों के पहले सेट को बेच दिया है।

उन्होंने कहा, ''हाल में भारतीय बाजार में उतारी गई की गई बिजली से चलने वाली ई-ट्रॉन गाड़ी की पहली खेप बिक गई हैं। इससे हमें विश्वास मिला है कि लोग और भारत इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए तैयार है। यह सब हमें ऐसी अधिक से अधिक कारों को पेश करने में मदद कर रहा है।%%

अक्टूबर-नवंबर में 30 कंपनियां आईपीओ के जरिये जुटा सकती हैं 45,000 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली (एजेंसी),

अक्टूबर-नवंबर में आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिये भारी-भरकम पूंजी जुटाने की उम्मीद है और इस दौरान कम से कम 30 कंपनियां शेयर बिक्री करके कुल 45,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटा सकती हैं। मर्चेंट बैंकिंग सूत्रों ने कहा कि जुटाई गई पूंजी का बड़ा हिस्सा प्रौद्योगिकी संचालित कंपनियों के खाते में जाएगा। खाद्य आपूर्ति कंपनी जोमैटो के सफल आईपीओ ने नई टेक कंपनियों को आईपीओ के लिए प्रोत्साहित किया है।

जोमैटो के आईपीओ को 38 गुना अभिदान मिला था। एंजेल वन के उप-उपाध्यक्ष (इक्विटी रणनीतिकार) ज्योति रॉय ने कहा कि आमतौर पर जोमैटो जैसी कंपनियां निजी इक्विटी कंपनियों से धन जुटाती हैं और आईपीओ ने नए जमाने की टेक कंपनियों के लिए धन का एक नया स्रोत खोल दिया है। एक मर्चेंट बैंकिंग सूत्र ने बताया कि जिन फर्मों द्वारा अक्टूबर-नवंबर के दौरान आईपीओ के जरिये धन जुटाने की उम्मीद है, उनमें पॉलिसीबाजार (6,017 करोड़ रुपये), एमक्योर फार्मास्युटिकल्स (4,500 करोड़ रुपये), नायका (4,000 करोड़ रुपये), सीएमएस इंफो सिस्टम्स (2,000 करोड़ रुपये), मोबिक्विक सिस्टम्स (1,900 करोड़ रुपये) शामिल हैं। इसके अलावा नॉर्दर्न आर्क कैपिटल (1,800 करोड़ रुपये), इक्सिगो (1600 करोड़ रुपये), सैफायर फूड्स (1500 करोड़ रुपये), फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक (1,330 करोड़ रुपये), स्टरलाइट पावर (1,250 करोड़ रुपये), रेटगेन ट्रैवल टेक्नोलॉजीज (1,200 रुपये) करोड़) और सुप्रिया लाइफसाइंस (1,200 करोड़ रुपये) भी समीक्षाधीन अवधि में अपने आईपीओ जारी कर सकती हैं। एंजेल वन के रॉय ने कहा कि आने वाले महीने में कई बड़े आईपीओ की तैयारी की एक वजह महामारी के बाद अर्थव्यवस्था में उम्मीद से ज्यादा मजबूत सुधार है। इनवेस्ट19 के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी कौशलेंद्र सिंह सेंगर ने कहा कि अगर बाजार की मौजूदा स्थिति बनी रही तो आने वाले साल में आईपीओ बूम के बढ़ने की उम्मीद है। टू बीकन और जेरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामतने भी इसी तरह का राय देते हुए कहा कि अगर अगले 1-2 साल तक तेजी जारी रहती है, तो आईपीओ की बड़ी संख्या में आते रहेंगे।

रियलमी जीटी नियो 2 5जी स्मार्टफोन जल्द ही भारत में होगा पेश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

स्मार्टफोन ब्रांड रियलमी ने हाल ही में चीन में रियलमी जीटी को लॉन्च किया है। कंपनी इसे अब जल्द ही भारतीय बाजारों में पेश करने लिए पूरी तरह तैयार है।

रियलमी के वीपी और रियलमी इंडिया, यूरोप और लैटिन अमेरिका के सीईओ माधव शेठ ने पुष्टि की है कि जीटी नियो2 अक्टूबर में कंपनी के सबसे बड़े बाजार में लॉन्च होगा। स्मार्टफोन तीन स्टोरेज वैरिएंट- 8जीबी प्लस 128जीबी, 8जीबी प्लस256जीबी, और 12जीही प्लस 256जीबी में उपलब्ध होगा, जिसकी कीमत क्रमशः 2,499सीएनवाई , 2,699 सीएनवाई और 2,999 सीएनवाई है। यह क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 870 5जी मोबाइल प्लेटफॉर्म द्वारा संचालित है। यह चिपसेट अपने संतुलित प्रदर्शन, शक्तिशाली प्रदर्शन और स्थिर अनुभव प्रदान करने के लिए प्रसिद्ध है। यह स्मार्टफोन 120हर्ट्ज सैमसंग इ4 एमोलेड डिस्प्ले से लैस है और इसमें 1300 निट्स की पीक ब्राइटनेस और 5,000,000:1 तक का कलर कॉन्ट्रास्ट रेशियो है। कंपनी ने पहले कहा था कि यह पहली बार है जब रियलमी ने अपने रियलमी जीटी लाइनअप में 5000 एमएएच की बड़ी बैटरी पैक है। कंपनी ने दावा किया है कि बड़ी क्षमता वाली बैटरी जो 65वॉट सुपरडार्ट चार्जिंग को सपोर्ट करता है, रियलमी जीटी नियो 2 पूरे दिन की बैटरी लाइफ प्रदान करता है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया का 26 मैचों का विजयरथ रोका, पहली जीत दर्ज की

महिला क्रिकेट: रोमांचक मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 2 विकेट से हराया

मैकॉय (आस्ट्रेलिया) (एजेंसी)।

यास्तिका भाटिया (64) और शैफाली वर्मा (56) के शानदार पारी के दम पर भारतीय महिला टीम ने यहां हारुप पार्क में खेले गए तीसरे वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम को 2 विकेट से हरा दिया पर सीरीज को ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान मेन लानिंग ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में नौ विकेट पर 264 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की टीम ने 49.3 गेंद में आट ओवर में 266 रन बनाए और मैच जीत लिया।

आस्ट्रेलिया की ओर से एनाबेल सदरलैंड ने तीन विकेट लिए जबकि तालिया मैकग्रा, सोफी मोलिन्यू , एश्ली गार्डनर, स्टेला कैंपबेल और निकोला कैरी ने एक-एक विकेट मिला।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने शानदार शुरूआत की और सलमी बल्लेबाज स्मृती मंधाना और शैफाली वर्मा ने पहले विकेट के लिए 59 रनों की साझेदारी की। गार्डनर ने मंधाना को आउट कर भारतीय टीम को पहला झटका दिया, मंधाना ने 25 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 22 रन बनाए।

तीन नंबर पर बल्लेबाजी करने आई यास्तिका ने शैफाली के साथ पारी को आगे बढ़ाया और दोनो के बीच 101 रनों की साझेदारी हुई, दोनों ने ही अपने अपने वनडे करियर का पहला अर्धशतक भी जड़ा।

इस साझेदारी को सोफी मोलिन्यू ने तोड़ा और फिर भारतीय पारी लड़खड़ा गई, 160/1 से भारतीय टीम 192/5 पर जा पहुंची। कुछ ही देर बाद भारतीय कप्तान मिताली राज के तौर पर टीम इंडिया को छठा झटका लग गया और स्कोर 208 रन था। यहां से भारत की जीत मुश्किल दिखने लगी थी, लेकिन दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा के बीच 33 रनों की साझेदारी ने मैच में भारत को बनाए रखा। 30 गेंदों पर 31 रन बनाकर दीप्ति आउट हो गईं और स्नेह राणा पर अब भारत को जीत की मंज़िल तक पहुंचाने की ज़िम्मेदारी थी। इसे बखूबी अंजाम देते हुए वह 48वें ओवर में तीन गेंदों पर तीन चौके लगाकर भारत को जीत के करीब ले आईं थी। लेकिन 30 रनों पर उनका अद्भुत कैच सब्स्टिट्यूट खिलाड़ी हैना डालिंग्टन ने पकड़ा और एक बार फिर मैच ऑस्ट्रेलिया की ओर घूमता नजर आया। आखिरी लम्हों में अनुभवी झूलन ने धैर्य के साथ काम लिया और गेंद से तीन विकेट झटकने के बाद अब बल्ले से भी टीम इंडिया को ऐतिहासिक जीत दिला दी। इस मल्टी-फॉर्मेट सीरीज में भारत की ये पहली जीत है।

इससे पहले, आस्ट्रेलिया की ओर से ऐश्ली गार्डनर ने 62 गेंदों में आठ चौकों और दौ छक्को की मदद से सर्वाधिक 67 रन बनाए जबकि बेद मूनी ने 64 गेंदों में छह चौकों की मदद से 52 रन बनाए। इस दोनो बल्लेबाजों के अलावा तालिय मैकग्रा (47), रेचल हेंस (13), अलिसा हेली (35), मेन लानिंग (0),

एलिस पेरी (26), एनाबेल सदरलैंड (0) सोफी मोलिन्यू (1) रन बनाकर पवेलियन लौटी जबकि निकोला कैरी (12) और स्टेला कैंपबेल (0) रन बनाकर नाबाद रही।

भारत की ओर से झूलन गोस्वामी और पूजा वसत्राकर ने तीन-तीन विकेट लिए जबकि स्नेह राणा ने एक विकेट लिए।

इस मैच को जीत कर भारत ने ऑस्ट्रेलिया के लगातार 26 मैचों के जीत की अभियान को भी तोड़ा।

आईपीएल 2021: हमें इस तरह के रोमांचक मैच की आदत है: राहुल

शारजाह (एजेंसी)।

पंजाब किंग्स ने शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद को पांच रनों से हरा कर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 के दूसरे चरण में अपनी चौथी जीत हासिल की। मैच के बाद पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल खुश और राहत महसूस कर रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी टीम को इस तरह के रोमांचक मैच की आदत है।

राहुल ने कहा, हम इन खेलों के आदी हैं । उम्मीद है कि पंजाब किंग्स के कारण टीआरपी बढ़ेगी। पंजाब के कप्तान ने हैदराबाद के जेसन होल्डर की उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए प्रशंसा की। होल्डर गेंद के साथ 3/19 के आंकड़े और 47 रनों की नाबाद पारी के साथ हैदराबाद को लगभग जीत हासिल कर दिया था , लेकिन अंत में पंजाब की जीत हुई।

राहुल ने कहा, होल्डर ने शानदार पारी खेली। मुझे और मयंक (अग्रवाल) को आउट कर के एक ओवर में दो विकेट चटकाए। उन्होंने आकर वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की। पिच पर गति नहीं थी। हमारे बल्लेबाजों के लिए क्रीज पर टिकना अहम रहा। हमें यह विश्वास दिलाता है कि अगर हम एक ठीक ठाक स्कोर भी बना लेते हैं तो हम विरोधी टीम पर दबाव डाल सकते हैं।

रविचंद्रन अश्विन ने टी-20 क्रिकेट में हासिल की बड़ी उपलब्धि, बने ऐसा करने वाले तीसरे भारतीय

नई दिल्ली। रविचंद्रन अश्विन टेस्ट क्रिकेट के सबसे सफल स्पिनरों में से एक हैं. उनके आंकड़े सीमित ओवर क्रिकेट में भी शानदार रहे हैं. शनिवार को रविचंद्रन अश्विन ने बतौर गेंदबाज एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली. रविचंद्र अश्विन ने ञ्20 क्रिकेट में अपने 250 विकेट पूरे कर लिए. वह ऐसा करने वाले भारत के तीसरे गेंदबाज बन गए. अश्विन ने 254वें मैच में 250वां विकेट लिया. उनसे पहले पीयूष चावला और अमित मिश्रा भी ऐसा कारनामा कर चुके हैं. दोनों ने 262-262 विकेट लिए हैं. वैसे टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड ड्वेन ब्रावो के नाम दर्ज है जिन्होंने 502 मैचों में 546 विकेट चटकाए हैं. वैसे ड्वेन ब्रावो दुनिया भर की क्रिकेट लीग में खेलते हैं जिस वजह से उनके नाम सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है. उनका औसत भी काफी अच्छा है. बता दें कि अश्विन ने शनिवार को आईपीएल में अपना 140वां विकेट हासिल किया था. वहीं अंतरराष्ट्रीय ञ्20 क्रिकेट में वह अब तक 52 विकेट चटका चुके हैं. जबकि घरेलू टी-20 क्रिकेट में अश्विन ने 108 विकेट लिए हैं. अश्विन आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में छठे नंबर पर है.

पंजाब के हार की वजह बल्लेबाजों में आत्मविश्वास की कमी : बेलिस

शारजाह। सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच ट्रेवर बेलिस का मानना है कि खिलाड़ियों में आत्मविश्वास की कमी थी, जिसके चलते टीम को पंजाब किंग्स से पांच रनों से हार का सामना करना पड़ा। रवि बिश्नोई (3/24) और मोहम्मद शमी (2/14) के शानदार गेंदबाजी के दम पर पंजाब किंग्स ने हैदराबाद को पांच रनों हरा दिया।

वह अब अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। बेलिस ने कहा, हमारे बल्लेबाजों में आत्मविश्वास की कमी है, जिसके चलते हम दूसरी बार बल्लेबाजी करते हुए पांच मैच हार चुके हैं। बेलिस जो कलकाता नाइट राइडर्स को दो बार आईपीएल का खिताब जीता चुके हैं, उन्होंने कहा, हमारे बल्लेबाजों को लक्ष्य का पीछा करते समय ग्राउंड स्ट्रोक खेलना चाहिए था। उन्होंने कहा, जब हम पहले के मैच में अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे तब हमारे शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया था पर पंजाब किंग्स के खिलाफ हमारे मध्यक्रम के बल्लेबाज ने काफी गलतियां की जिसके चलते हमें हार का सामना करना पड़ा। हमें अगले मैच से पहले चीजों को ठीक करने की जरुरत हैं ताकि बाकी के बचे हुए मैचों में हम जीत हासिल कर सकें।

आईपीएल 2021: रोमांचक मैच में अंतिम गेंद पर कोलकाता को 2 विकेट से हराकर चेन्नई फिर टॉप पर पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2021) के दूसरे चरण में रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 2 विकेट से हरा दिया। कोलकाता ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 171 रन का स्कोर बनाया। केकेआर की ओर से राहुल त्रिपाठी ने सबसे ज्यादा 45 और नीतीश राणा ने नाबाद 37 रन बनाए। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए शार्दुल ठाकुर और जोश हेजलवुड ने दो-दो जबकि रवींद्र जडेजा ने एक विकेट लिए। कोलकाता से मिले 172 रनों के लक्ष्य के जवाब में चेन्नई सुपर किंग्स ने आठ विकेट पर 172 रन बनाकर मैच जीत लिया। चेन्नई के लिए फाफ डुप्लेसी ने 45, रितुराज गायकवाड़ ने 40, मोईन अली ने 32 और रवींद्र जडेजा ने 22 रन बनाए। केकेआर के लिए सुनील नारायण ने तीन और प्रसिद्ध कृष्णा, लॉकी फ़र्ग्युसन, वरुण चक्रवर्ती, तथा आंद्रे रसेल को एक-एक सफलता मिली। इस जीत के बाद चेन्नई फिर से टॉप पर पहुंच गई है।

स्मृति मांधना और दीप्ति शर्मा डब्ल्यूबीबीएल के लिए सिडनी थंडर टीम में शामिल

मकाय। अक्टूबर से शुरू हो रहे महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) टूनार्मेंट के लिए मौजूदा चैंपियन सिडनी थंडर ने भारत की दो सुपरस्टार खिलाड़ी - ओपनर स्मृति मांधना और हरफनमौला दीप्ति शर्मा को अपनी टीम में शामिल किया हैं।

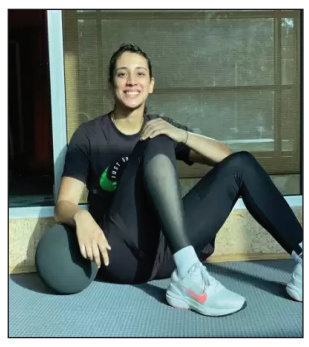

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में इस साल का अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाने वाली मांधना की यह तीसरी बिग बैश टीम होगी। इससे पहले वह ब्रिस्बेन हीट और होबार्ट हरिकेन्स का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। दीप्ति ने इससे पहले कभी बिग बैश में भाग नहीं लिया है। हालांकि उन्हें टी20 क्रिकेट खेलने का काफी अनुभव है। वह इस साल द ह्रंडेड के पहले सीजन का हिस्सा भी थी जहां उन्होंने 5.26 की इकॉनमी से गेंदबाजी करते हुए 10 विकेट झटके। साथ ही वह 2019 में मांधना के साथ इंग्लैंड में सुपर लीग की विजेता वेस्टर्न स्टॉर्म टीम का भी हिस्सा थीं। ये दोनों खिलाड़ियों को इंग्लैंड की कप्तान हेदर नाइट और सलामी बल्लेबाज टैमी बोमॉन्ट के रिप्लेसमेंट के रूप में टीम में शामिल किया गया हैं। इंग्लैंड महिला टीम का पाकिस्तान दौरा रद्द होने के बावजूद वह दोनों खिलाड़ी इस टूनार्मेंट के लिए उपलब्ध नहीं थीं। मांधना और दीप्ति के अलावा शेफाली वर्मा और राधा यादव भी इस लीग में खेलते नजर आएंगी। वर्मा के पिता संजीव ने मई में ईएसपीएनक्रिकइंफो को बताया था कि वर्मा ने सिडनी सिक्सर्स के साथ करार किया है। 25 वर्षीय मांधना ने बताया कि वह फिर एक बार इस टूनार्मेंट में खेलने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, विदेशी लीग में खेलने से आपको टी20 क्रिकेट का अनुभव मिलता है। आपको दुनिया भर के खिलाड़ियों के साथ वक्त बिताने का और उनसे सीखने का अवसर भी मिलता है।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया के सामने खड़ी हुई बड़ी मुसीबत, फिट नहीं है सबसे बड़ा मैच विनर !

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अगले महीने से टी20 वर्ल्ड कप 2021 का आगाज होना है. भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप जीतने की प्रबल दावेदार मानी जा रही है. भारतीय टीम टूर्नामेंट में 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के विरुद्ध मैच के साथ अपना आगाज करेगी. हालांकि इससे पहले ही भारतीय टीम के लिए बड़ी मुश्किल खड़ी हो गई है. भारतीय टीम के सबसे बड़े मैच विनर माने जाने वाले स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी हार्दिक पांड्या अभी तक फिट नहीं हुए हैं. उनकी फिटनेस को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं.

आईपीएल 2021 के दूसरे चरण के दोनों मैचों में वह नहीं खेले, जिस वजह से उनकी फिटनेस पर सवाल उठ रहे हैं. मुंबई इंडियंस के फैंस भी चिंतित हैं कि आखिर वह मुंबई के लिए मैच क्यों नहीं खेल रहे. यही वजह है कि मुंबई की टीम दूसरे चरण में अपने दोनों शुरुआती मुकाबले हार गई.

अगर हार्दिक पांड्या फिट नहीं होते हैं तो भारतीय टीम को टी20 वर्ल्ड कप में मुश्किलें झेलनी पड़ सकती हैं. श्रीलंकाई दौरे पर भी हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था और वह फॉर्म में नजर नहीं आ रहे थे. उन्हें फॉर्म में वापसी के लिए आईपीएल में खेलना जरूरी है.

मुंबई इंडियंस के क्रिकेट निदेशक जहीर खान ने हार्दिक की फिटनेस को लेकर प्री मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- हम प्रैक्टिस सेशन करेंगे और देखेंगे, इसके बाद ही कोई फैसला लेंगे. हार्दिक ने अभ्यास शुरू किया है और फिलहाल यही बात हम आपसे शेयर कर सकते हैं. हमें उम्मीद है कि वह फिट होंगे और आरसीबी के विरुद्ध मैच के लिए मौजूद रहेंगे.

दिल्ली से मिली हार के बाद संजू सैमसन पर लगा 24 लाख का जुर्माना, एक मैच का लग सकता है प्रतिबंध

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में करारी शिकस्त मिली. राजस्थान की हार के बाद अब टीम के कप्तान संजू सैमसन पर भारी जुर्माना लग गया. संजू सैमसन पर यह जुर्माना स्लो ओवर रेट के लिए लगाया गया है. इस सीजन में ऐसा दूसरी बार हुआ है, जब उन्होंने इस तरह की गलती दोहराई है. इससे पहले पंजाब किंग्स के विरुद्ध खेले गए मैच में ही संजू सैमसन निर्धारित समय में ओवर पूरे नहीं कर पाए थे, जिस वजह से उनके ऊपर जुर्माना लगा था. संजू सैमसन ने दूसरी बार यह गलती की है, जिस वजह से उनके ऊपर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है. इसके अलावा प्लेइंग इलेवन में शामिल अन्य खिलाड़ियों पर 6 लाख रुपये या फिर उनकी व्यक्तिगत मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है. अगर एक बार फिर से राजस्थान रॉयल्स की टीम यह गलती दोहराती है तो ऐसे में संजू सैमसन के ऊपर एक मैच का प्रतिबंध भी लग सकता है. गेंदबाजों को नियंत्रित करना कप्तान का काम होता है और अगर नियम के मुताबिक, कोई टीम तय समय में निर्धारित ओवर नहीं फेंक पाती तो उस पर जुर्माना लगाया जाता है. दो बार गलती होने पर मैच फीस से पैसे काटे जाते हैं. लेकिन तीसरी बार यह गलती होने पर कप्तान पर एक मैच का प्रतिबंध लगाया जाता है.

बिश्नोई को खेलने का मौका देकर पंजाब ने सही किया : बुचर

अबु धाबी (एजेंसी)।

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज मार्क बुचर ने रविवार को कहा कि पंजाब किंग्स ने शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को खेलने का मौका देकर सही किया।

बिश्नोई (3/24) और मोहम्मद शमी (2/14) ने पंजाब किंग्स को कम स्कोर वाले थ्रिलर में सनराइजर्स हैदराबाद को पांच रन से हराने में मदद की। इस जीत के साथ पंजाब अब अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है।

यह सनराइजर्स हैदराबाद की आईपीएल की आठवीं हार थी और वे प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हैं।

बुचर ने क्रिकेट डॉट कॉम से कहा, बिश्नोई दिलचस्प है । राशिद खान की तरह गेंद को हवा में लहराते हैं और आदिल राशिद की तरह गेंद को स्पिन कराते हैं। इस मैच के लिए यह एक आदर्श विकल्प थे। पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स से दो रन की हार से परेशान पंजाब किंग्स ने आदिल राशिद के स्थान पर बिश्नोई को प्लेइंग इलेवन में वापस लाया और लेग स्पिनर ने केदार जाधव, मनीष पांडे और अब्दुल समद के विकेट लिए।

बुचर ने मोहम्मद शमी की भी प्रशंसा की, जिन्होंने शीर्ष पर खतरनाक डेविड वार्नर और केन विलियमसन को 2/14 के स्कोर पर आउट किया।

बुचर ने कहा, शमी एक गुणवत्ता वाला गेंदबाज है। अगर वह पिच पर सही जगह गेंद डालते हैं और गेंद को विकेट के सामने रखते हैं तो चाहे पिच से मदद मिले न मिले वह बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं। पंजाब किंग्स के बल्लेबाज एडन मार्कराम ने भी बिश्नोई की तारीफ की। मार्कराम ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, अविश्वसनीय। यह आश्चर्यजनक है कि बिश्नोई अभी भी छोटा है पर फिर भी उसका कौशल दूसरे स्तर पर है। मुझे लगता है कि वह एक शानदार गेंदबाज के रुप में उभरेगा

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आश्विन कृष्णपक्ष की प्रतिपदा से अमावस्या तक पितरों का श्राद्ध करने की परंपरा है। पितृपक्ष अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने, उनका स्मरण करने और उनके प्रति श्रद्धा अभिव्यक्ति करने का महापर्व है। इस अवधि में पितृगण अपने परिजनों के समीप विविध रूपों में मंडराते हैं और अपने मोक्ष की कामना करते हैं। परिजनों से संतुष्ट होने पर पूर्वज आशीर्वाद देकर हमें अनिष्ट घटनाओं से बचाते हैं। जिस तिथि में माता-पिता का देहांत हुआ है, उस तिथि में श्राद्ध करना चाहिए। श्राद्ध से पितृगण प्रसन्न होते हैं और श्राद्ध करने वालों को सुख-समृद्धि, सफलता, आरोग्य और संतानरूपी फल देते हैं।

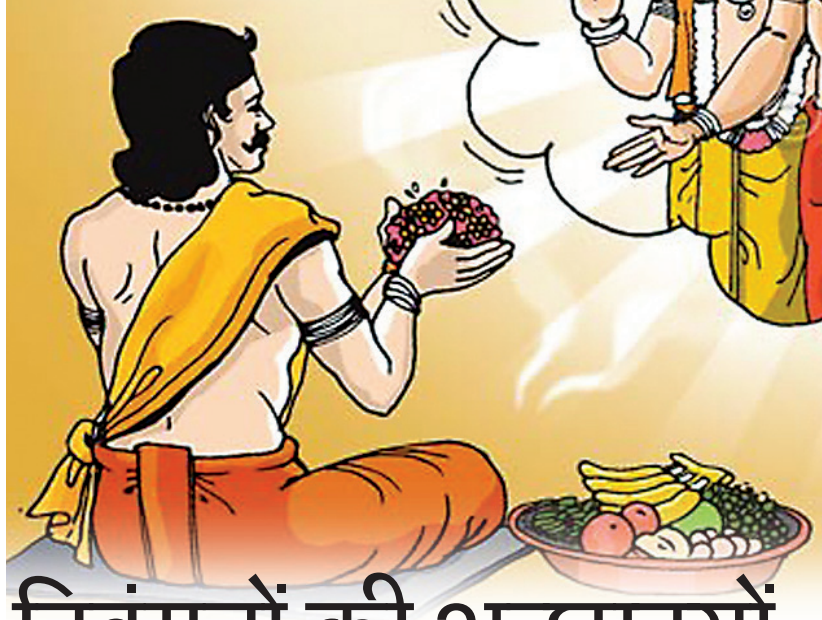

दिवंगतों की अच्छाइयों का स्मृति पर्व

पाश्चात्य संस्कृति का हिस्सा बन चुके हम आए दिन कोई न कोई 'डे' मनाते रहते है ।साल के दिनों की संख्या से ज्यादा तो तथाकथित 'डे' मनाए जाते हैं ,ना इसमें कोई बुराई है वे लोगों को जीते जी याद करते हैं तो हम परिजनों के गुजर जाने के बाद भी उन्हें याद करते हैं। उनकी याद में दिवस मनाते हैं भारतीय संस्कृति सबको साथ ले कर चलने वाली है। हम अगर श्राद्ध की बात करें तो इसमें न सिर्फ अपने पिता अपितु पितरों (हमारे दादा-परदादा) के प्रति भी धार्मिक क्रियाओं के माध्यम से सम्मान प्रकट किया जाता है, बल्कि उन्हें याद किया जाता है,उनका आभार माना जाता है। इन दिनों में सात्विकता, पशु-आहार ,दान का विशेष महत्व है। यहां मूलत: 'आत्मा अमर है' का विश्वास काम करता है कि वे जहां कहीं भी हैं हमें देख रहें होगें। भारतीय संस्कृति की एक विशेषता उल्लेखनीय है कि वह अपने संस्कार से व्यक्ति को विनयवान बनाती है। जहां इसमें 'धर्म-भीरुता' एक कमजोर पक्ष बनकर उभरा है जिससे कई कुरीतियों ने भी जन्म लिया। वहीं शिक्षा के प्रसार से कुछ नवीनता भी आई है। दान का स्वरुप बदल कर ब्राह्मण भोज के स्थान पर लोगों ने जरूरतमंदों और अनाथालयों में अन्न सेवा प्रारंभ कर दिया है। कुछ समर्थ लोग दोनों ही तरह के दान के हामी होते हैं तो आधुनिक विधि-विधान को महत्व न देकर श्राद्ध में छिपे मूल भाव को महत्व देते हुए अपने पूर्वजों को याद करने के विभिन्न तरीके अपनाते हैं ।पितरों का आशीर्वाद बना रहे,पूर्वजों के प्रति आभार जताने का भाव मन में आ जाना, पूर्वजों के साथ घर में रहने वाले बुजुर्गों का भी आदर बना रहे यही सही मायने में श्राद्ध है जो कि आज के समय की मांग है। श्राद्ध पर्व की मूल अवधारणा श्रद्धा पर आधारित है। श्राद्ध पर्व के 16 दिनों के दौरान यदि हम अपने विलग हो चुके बुजुर्गों को याद कर उनकी अच्छाइयों को अपने और अपनी अगली पीढ़ी के जीवन में कार्यान्वित कर सकें तो इस भाव-प्रसंग की सार्थकता कुछ और बढ़ जाएगी।

इन 5 स्थानों पर रखें श्राद्ध का आहार, जानिए क्या है पंचबलि कर्म

'श्राद्ध' शब्द 'श्रद्धा' से बना है यानी अपने पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना। श्राद्ध न करने वाले दलील देते हैं कि जो मर गया है उसके निमित्त कुछ करने का औचित्य नहीं है। यह ठीक नहीं है, क्योंकि संकल्प से किए गए कर्म जीव चाहे जिस योनि में हो, उस तक पहुंचता है तथा वह तृप्त होता है। यहां तक कि ब्रह्मा से लेकर घास तक तृप्त होते हैं। श्राद्ध करने का अधिकार सर्वप्रथम पुत्र को है तथा क्रमश: पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र, दौहित्र, पत्नी, भाई, भतीजा, पिता, माता, पुत्रवधू, बहन, भानजा तथा सगौत्री कहे गए हैं। इनमें ज्यादा या सभी करें तो भी फल प्राप्ति सभी को होती है।

श्राद्ध में ब्राह्मण भोजन तथा पंचबलि कर्म किया जाता है। पंचबलि में गाय, कुत्ता और कौवा के साथ 5 स्थानों पर भोजन रखा जाता है। वे हैं-

प्रथम गौ बलि- घर से पश्चिम दिशा में गाय को महुआ या पलाश के पत्तों पर गाय को भोजन कराया जाता है तथा गाय को 'गौभ्यो नम:' कहकर प्रणाम किया जाता है। गौ देशी होना चाहिए।

द्वितीय श्वान बलि- पत्ते पर भोजन रखकर कुत्ते को भोजन कराया जाता है।

तृतीय काक बलि- कौओं को छत पर या भूमि पर रखकर उनको बुलाया जाता है जिससे वे भोजन करें।

चतुर्थ देवादि बलि- पत्तों पर देवताओं को बलि घर में दी जाती है। बाद में वह उठाकर घर से बाहर रख दी जाती है।

पंचम पिपलिकादि बलि- चींटी, कीड़े-मकौड़ों आदि के लिए जहां उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है।

श्राद्ध करने का आदर्श समय : मध्याह्न 1130 से 1230 तक है जिसे 'कुतप बेला' कहा जाता है। इसका बड़ा महत्व है।

दीपावली से भी ज्यादा बड़ी है श्राद्ध पर्व की 8वीं तिथि

महालक्ष्मी पर्व यानी गजलक्ष्मी व्रत है। इस दिन को दीपावली से भी अधिक शुभ माना जाता है। पितृ पक्ष में आने वाले गजलक्ष्मी व्रत में अगर अपनी राशि अनुसार विधि-विधान से पूजन किया जाए तो महालक्ष्मी विशेष प्रसन्न होती हैं और जीवन में धन-समृद्धि आती है। आइए, जानें किस-किस राशि वाले जातक को किस प्रकार से पूजन करने से इष्टतम लाभ हो सकता है।

मेष राशि : इस राशि के जातक अगर ऋण से त्रस्त हैं तो मिट्टी के हाथी के समक्ष 'ऋणहर्ता मंगल स्तोत्र' का पाठ करना चाहिए इससे ऋण उतरने लगता है।

वृषभ राशि : इस राशि के जातकों के लिए गजलक्ष्मी व्रत से हर शुक्रवार को श्री विष्णु-लक्ष्मी का पूजन करने से धन व नाम मिलता है। इस प्रयोग को कम से कम एक साल तक करें यानी अगले गजलक्ष्मी व्रत तक करें चमत्कार स्वयं देखें।

मिथुन राशि : चांदी का हाथी बनवाकर श्री लक्ष्मी के मंत्रों से पूरित कर गल्ले में रखें निश्चित ही धनलाभ होता है। धन का भंडार भरा रहता है तथा परिवार में व्यक्ति प्रसन्न और सुखी रहता है।

कर्क राशि : रात को केले के पत्ते पर दूध-भात रख कर चंदमा और मिट्टी के हाथी को दिखाएं और मंदिर में पंडितजी को दान दें। इससे धन प्राप्ति के प्रबल योग बनते हैं।

सिंह राशि : मिट्टी का हाथी बनवाकर उस पर चांदी या सोने का गहना चढ़ाएं और 'ऊँ नमो नारायणाय' मंत्र का श्री विष्णु जी के सम्मुख जाप करें, विशेष धनलाभ होगा।

कन्या राशि : लाजावर्त नग को चांदी में जड़वाकर लक्ष्मी के मंत्रों से अभिमंत्रित कर मिट्टी के हाथी को चढ़ाने से जातक धनवान बनता है।

तुला राशि : चांदी या सोने के हाथी पर कमल का फूल चढ़ाएं। मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है व यश मिलता है।

वृश्चिक राशि : मिट्टी के हाथी के समक्ष घी व सरसो तेल के दो बड़े दीपक जलाएं। किसी भी लक्ष्मी मंत्र की 21 माला जाप करें तो अक्षय धन की प्राप्ति होती है।

धनु राशि : सुंदर पीले वस्त्र धारण कर मिट्टी के हाथी पर विविध अलंकार अर्पित करें। मां लक्ष्मी की कृपा चारों तरफ से बरसने लगेगी।

मकर राशि : किसी भी सजीव हाथी को सवा दर्जन केले खिलाएं और मिट्टी के हाथी को वस्त्रालंकार अर्पित करें। आश्चर्यजनक रूप से हर बाधा दूर होगी और धन की समृद्धि बढ़ेगी।

कुंभ राशि : चांदी का हाथी बनवाकर उसी की पूजा करें। साथ में मिट्टी का हाथी दीये जलाकर सजाएं और पूजन करें। चांदी के सिक्के चढ़ाएं। यश, सुख, समृद्धि, वैभव, ऐश्वर्य और सौभाग्य से जीवन चमक उठेगा।

मीन राशि : 11 हल्दी की गांठों को पीले कपड़े में रख कर लक्ष्मी मंत्र की 11 माला जाप कर तिजोरी में रख दें। रोजाना वहां दीया जलाए तो व्यापार की प्रबल उन्नति होने लगती है।

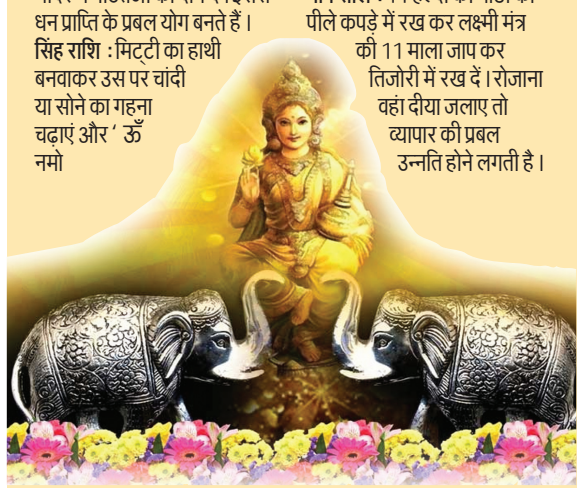

पितरों के समान हैं ये 3 वृक्ष, 3 पक्षी, 3 पशु और 3 जलचर

धर्मशास्त्रों अनुसार पितरों का पितृलोक चंद्रमा के उरध्वभाग में माना गया है। दूसरी ओर अग्निहोत्र कर्म से आकाश मंडल के समस्त पक्षी भी तृप्त होते हैं। पक्षियों के लोक को भी पितृलोक कहा जाता है। तीसरी ओर कुछ पितर हमारे वरुणदेव का आश्रय लेते हैं और वरुणदेव जल के देवता हैं। अत: पितरों की स्थिति जल में भी बताई गई है।

तीन वृक्ष

- **पीपल का वृक्ष** : पीपल का वृक्ष बहुत पवित्र है। एक ओर इसमें जहां विष्णु का निवास है वहीं यह वृक्ष रूप में पितृदेव है। पितृ पक्ष में इसकी उपासना करना या इसे लगाना विशेष शुभ होता है।
- **बरगद का वृक्ष** : बरगद के वृक्ष में साक्षात शिव निवास करते हैं। अगर ऐसा लगता है कि पितरों की मुक्ति नहीं हुई है तो बरगद के नीचे बैठकर शिव जी की पूजा करनी चाहिए।
- **बेल का वृक्ष** : यदि पितृ पक्ष में शिवजी को अत्यंत प्रिय बेल का वृक्ष लगाया जाय तो अतृप्त आत्मा को शान्ति मिलती है। अमावस्या के दिन शिव जी को बेल पत्र और गंगाजल अर्पित करने से सभी पितरों को मुक्ति मिलती है ।इसके अलावा अशोक, तुलसी, शमी और केल के वृक्ष की भी पूजा करना चाहिए।

तीन पक्षी

- **कौआ** : कौए को अतिथि-आगमन का सूचक और पितरों का आश्रम स्थल माना जाता है। श्राद्ध पक्ष में कौओं का बहुत महत्व माना गया है। इस पक्ष में कौओं को भोजन कराना अर्थात अपने पितरों को भोजन कराना माना गया है। शास्त्रों के अनुसार कोई भी क्षमतावान आत्मा कौए के शरीर में स्थित होकर विचरण कर सकती है।
- **हंस** : पक्षियों में हंस एक ऐसा पक्षी है जहां देव आत्माएं आश्रय लेती हैं। यह उन आत्माओं का ठिकाना हैं जिन्होंने अपने जीवन में पुण्यकर्म किए हैं और जिन्होंने यम-नियम का पालन किया है। कुछ काल तक हंस योनि में रहकर आत्मा अच्छे समय का इंतजार कर पुन: मनुष्य योनि में लौट आती है या फिर वह देवलोक चली जाती है। हो सकता है कि आपके पितरों ने भी पुण्य कर्म किए हों।
- **गरुड़** : भगवान गरुड़ विष्णु के वाहन हैं। भगवान गरुड़ के नाम पर ही गुरुढ़ पुराण है जिसमें श्राद्ध कर्म, स्वर्ग नरक, पितृलोक आदि का उल्लेख मिलता है। पक्षियों में गरुढ़ को बहुत ही पवित्र माना गया है। भगवान राम को मेघनाथ के नागपाश से मुक्ति दिलाने वाले गरूड़ का आश्रय लेते हैं पितर ।इसके अलावा क्रोंच या सारस का नाम भी लिया जाता है।

तीन पशु

- **कुत्ता** : कुत्ते को यम का दूत माना जाता है। कहते हैं कि इसे ईधर माध्यम की वस्तुएं भी नजर आती है। दरअसल कुत्ता एक ऐसा प्राणी है, जो भविष्य में होने वाली घटनाओं और ईथर माध्यम (सूक्ष्म जगत) की आत्माओं को देखने की क्षमता रखता है। कुत्ते को हिन्दू देवता भैरव महाराज का सेवक माना जाता है। कुत्ते को भोजन देने से भैरव महाराज प्रसन्न होते हैं और हर तरह के आकस्मिक संकटों से वे भक्त की रक्षा करते हैं। कुत्ते को रोटी देते रहने से पितरों की कृपा बनी रहती है।
- **गाय** : जिस तरह गया में सभी देवी और देवताओं का निवास है उसी तरह गाय में सभी देवी और देवताओं का निवास बताया गया है। दरअसल मान्यता के अनुसार 84 लाख योनियों का सफर करके आत्मा अंतिम योनि के रूप में गाय बनती है। गाय लाखों योनियों का वह पड़ाव है, जहां आत्मा विश्राम करके आगे की यात्रा शुरू करती है।
- **हाथी** : हाथी को हिन्दू धर्म में भगवान गणेश का साक्षात रूप माना गया है। यह इंद्र का वाहन भी है। हाथी को पूर्वजों का प्रतीक भी माना गया है। जिस दिन किसी हाथी की मृत्यु हो जाती है उस दिन उसका कोई साथी भोजन नहीं करता है। हाथियों को अपने पूर्वजों की स्मृतियां रहती हैं। अश्विन मास की पूर्णिमा के दिन गजपूजा विधि व्रत रखा जाता है। सुख-समृद्धि की इच्छा रखने वाले उस दिन हाथी की पूजा करते हैं ।इसके अलावा वराह, बैल और चींटियों का यहां उल्लेख किया जा सकता है। जो चींटी को आटा देते हैं और छोटी-छोटी चिड़ियों को चावल देते हैं, वे वैकुंठ जाते हैं।

तीन जलचर जंतु

- **मछली** : भगवान विष्णु ने एक बार मत्स्य का अवतार लेकर मनुष्य जाती के अस्त्वि को जल प्रलय से बचाया था। जब श्राद्ध पक्ष में चावल के लड्डू बनाए जाते हैं तो उन्हें जल में विसर्जित कर दिया जाता है।
- **कछुआ** : भगवान विष्णु ने कच्छप का अवतार लेकर ही देव और असुरों के लिए मदरांचल पर्वत को अपनी पीठ पर स्थापित किया था। हिन्दू धर्म में कछुआ बहुत ही पवित्र उभयचर जंतु है जो जल की सभी गतिविधियों को जानता है।
- **नाग** : भारतीय संस्कृति में नाग की पूजा इसलिए की जाती है, क्योंकि यह एक रहस्यमय जंतु है। यह भी पितरों का प्रतीक माना गया है ।इसके अलावा मगरमच्छ भी माना जाता है।

पितृ पक्ष की सर्वपितृ अमावस्या पर करें श्राद्ध

आश्विन माह की कृष्णा अमावस्या को सर्वपितृ मोक्ष श्राद्ध अमावस्या कहते हैं। यह दिन पितृपक्ष का आखिरी दिन होता है। अगर आप पितृपक्ष में श्राद्ध कर चुके हैं तो भी सर्वपितृ अमावस्या के दिन पितरों का तर्पण करना जरूरी होता। आओ जानते हैं इस संबंध में 10 खास बातें।

- सर्वपितृ अमावस्या पितरों को विदा करने की अंतिम तिथि होती है। 15 दिन तक पितृ घर में विराजते हैं और हम उनकी सेवा करते हैं फिर उनकी विदाई का समय आता है। इसीलिए इसे 'पितृविसर्जनी अमावस्या', 'महालय समापन' या 'महालय विसर्जन' भी कहते हैं।
- कहते हैं कि जो नहीं आ पाते हैं या जिन्हें हम नहीं जानते हैं उन भूले-बिसरे पितरों का भी इसी दिन श्राद्ध करते हैं। अत: इस दिन श्राद्ध जरूर करना चाहिए।
- कहते हैं कि जो व्यक्ति अपने पितरों का उनकी तिथि के अनुसार या उनकी मृत स्थिति के अनुसार श्राद्ध नहीं करता है तो माना जाता है कि पितर उसके लिए सर्वपितृ अमावस्य पर पुन: नदी तट या उसके द्वार पर आते हैं और वे देखते हैं कि सभी के पितरों के वंशज आएं हैं परंतु हमारे नहीं तब वह निशार और रुष्ट होकर चले जाते हैं जिसके चलते व्यक्ति के जीवन में बुरा होने लगता है।
- अगर कोई श्राद्ध तिथि में किसी कारण से श्राद्ध न कर पाया हो या फिर श्राद्ध की तिथि मालूम न हो तो सर्वपितृ श्राद्ध अमावस्या पर श्राद्ध किया जा सकता है। मान्यता है कि इस दिन सभी पितर आपके द्वार पर उपस्थित हो जाते हैं।
- इस श्राद्ध में गोबलि, श्वानबलि, काकबलि और देवादिबलि कर्म करें। अर्थात इन सभी के लिए विशेष मंत्र बोलते हुए भोजन सामग्री निकालकर उन्हें ग्रहण कराई जाती है। अंत में चींटियों के लिए भोजन सामग्री पत्ते पर निकालने के बाद ही भोजन के लिए थाली अथवा पत्ते पर ब्राह्मण हेतु भोजन परोसा जाता है। इस दिन सभी को अच्छे से पेटभर भोजन खिलाकर दक्षिणा दी जाती है।
- सर्वपितृ अमावस्या के दिन पितरों की शांति के लिए और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए गीता के सातवें अध्याय का पाठ करने का विधान भी है।
- सर्वपितृ अमावस्या पर पीपल की सेवा और पूजा करने से पितृ प्रसन्न होते हैं। स्टील के लोटे में, दूध, पानी, काले तिल, शहद और जौ मिला लें और पीपल की जड़ में अर्पित कर दें।
- शास्त्र कहते हैं कि ''पुन्नामनरकात त्रायते इति पुत्र:'' जो नरक से त्राण (रक्षा) करता है वही पुत्र है। इस दिन किया गया श्राद्ध पुत्र को पितृदोषों से मुक्ति दिलाता है। अत: पूर्वजों के निमित्त शास्त्रोक्त कर्म करें जिससे उन मृत प्राणियों को परलोक अथवा अन्य लोक में भी सुख प्राप्त हो सके।
- इस दिन शास्त्रों में मृत्यु के बाद और्ध्वदैहिक संस्कार, पिण्डदान, तर्पण, श्राद्ध, एकादशाह, सपिण्डीकरण, अशौचादि निर्णय, कर्म विपाक आदि के द्वारा पापों के विधान का प्रायश्चित कहा गया है।
- मान्यता है कि जो व्यक्ति पितृपक्ष में श्राद्ध नहीं करता है और सर्वपितृ अमावस्य को भी श्राद्ध नहीं करता है उसे वर्षभर के लिए अपने पितारों का श्राप झेलने पड़ता है। ऐसे में पितृदोष दो प्रकार से प्रभावित होता है। पहला यह कि जो पितर अधोगति में गए हैं वे ज्यादा अपेक्षा रखकर ज्याता सताते हैं और जो उरध्वगति में गए हैं वे श्राप नहीं देते हैं तो आशीर्वाद भी नहीं देते हैं। उनका आशीर्वाद नहीं देना ही नुकसान दायक सिद्ध होता है।

16 दिनों में न भूलें ये बातें

पितरों का करें सम्मान

श्राद्ध महालय पक्ष में पितरों के निमित्त घर में क्या कर्म करना चाहिए। यह जिज्ञासा सहजतावश अनेक व्यक्तियों में रहती है। यदि हम किसी भी तीर्थ स्थान, किसी भी पवित्र नदी, किसी भी पवित्र संगम पर नहीं जा पा रहे हैं तो निम्नांकित सरल एवं संक्षिप्त कर्म घर पर ही अवश्य कर लें :-

- प्रतिदिन खीर (अर्थात दूध में पकाए हुए चावल में शक्कर एवं सुगंधित द्रव्य जैसे इलायची, केसर मिलाकर तैयार की गई सामग्री को खीर कहते हैं) बनाकर तैयार कर लें।
- गाय के गोबर के कंडे को जलाकर पूर्ण प्रज्वलित कर लें।
- उक्त प्रज्वलित कंडे को शुद्ध स्थान में किसी बर्तन में रखकर, खीर से तीन आहुति दे दें।
- इसके नजदीक (पास में ही) जल का भरा हुआ एक गिलास रख दें अथवा लोटा रख दें।
- इस द्रव्य को अगले दिन किसी वृक्ष की जड़ में डाल दें।
- भोजन में से सर्वप्रथम गाय, काले कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालकर उन्हें खिला दें इसके पश्चात ब्राह्मण को भोजन कराएं फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें। पश्चात ब्राह्मणों को यथायोग्य दक्षिणा दें।

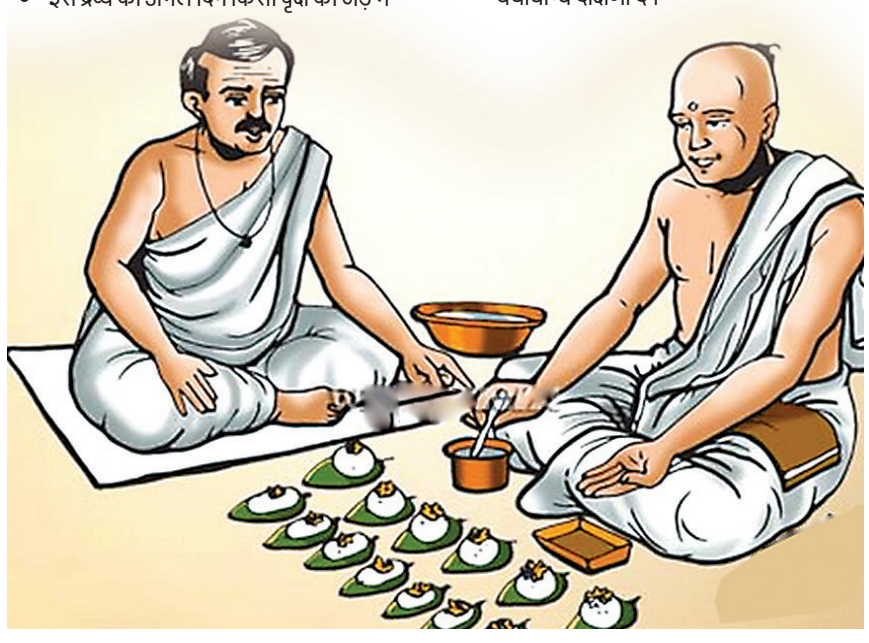

सार समाचार

यमन के तेल समृद्ध मारिब प्रांत पर हाउती विद्रोहियों ने किया कब्जा

सना। एक सैन्य सूत्र ने कहा कि यमन के हाउती मिलिशिया ने सरकारी सैनिकों के साथ भीषण लड़ाई के बाद तेल समृद्ध मारिब प्रांत में नए क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया है। सूत्र ने समाचार एजेंसी को बताया कि हाउती मिलिशिया ने शनिवार को हरीब जिले से आगे बढ़कर मला पहाड़ी की चोटी, ओम रीश की आसन्न घाटी और क्षेत्र में मुख्य राजमार्ग का हिस्सा कब्जा कर लिया, जो अल-जुबा जिले और प्रांत की राजधानी मारिब शहर की ओर जाता है। उन्होंने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि मिलिशिया हमले को नाकाम करने की कोशिश में दर्जनों सैनिक मारे गए और घायल हो गए। हाउती समूह ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। पिछले हफ्ते हरीब जिले पर कब्जा करने के साथ, हाउती समूह अब प्रांत के 14 में से 10 जिलों को नियंत्रित करता है। ईरान समर्थित हाउती मिलिशिया ने फरवरी में तेल-समृद्ध प्रांत, सऊदी समर्थित यमनी सरकार के अंतिम उत्तरी गढ़, पर नियंत्रण करने के प्रयास में मारिब पर एक बड़ा आक्रमण शुरू किया था।

न्यूयॉर्क में खाड़ी देशों के मंत्रियों से मुलाकात करेंगे इजरायली प्रधानमंत्री

तेल अवीव। इजरायल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने घोषणा की है कि वह न्यूयॉर्क में खाड़ी देशों के वरिष्ठ मंत्रियों के साथ अपनी पहली बैठक करेंगे। उनके कार्यालय ने एक बयान में कहा कि शनिवार की रात, बेनेट सोमवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करने के लिए अमेरिका के लिए रवाना हुए। समाचार एजेंसी ने बयान के हवाले से कहा कि रविवार को उनके बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अल जायानी और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राज्य मंत्री खलीफा शाहीन अलमारर से मिलने की उम्मीद है। वह संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से भी मुलाकात करेंगे। अरब देशों के साथ संबंध मजबूत करने के इजरायली प्रयासों के बीच बैठकें हो रही हैं। बहरीन और यूएई ने 2020 में इजरायल के साथ संबंधों को सामान्य किया है।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 8 आतंकी गिरफ्तार

इस्लामाबाद,। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अलग-अलग खुफिया अभियानों में आठ आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है, पुलिस के आतंकवाद विरोधी विभाग (सीटीडी) ने इसकी पुष्टि की है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट में पंजाब में सीटीडी के अनुसार, विभाग के कर्मियों ने प्रांतीय राजधानी लाहौर के एक इलाके में आतंकवादियों के होने की एक खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक अभियान चलाया था। सीटीड ने कहा कि एक प्रतिबंधित संगठन से जुड़े चार आतंकवादियों को लाहौर में ऑपरेशन के दौरान गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों को पूछताछ के लिए एक अज्ञात जगह पर भेज दिया गया है। दूसरी ओर, सीटीडी और इंटेलिजेंस ब्यूरो ने पंजाब के शेखूपुरा जिले में एक संयुक्त अभियान चलाया और दो आतंकवादियों को पकड़ा। गिरफ्तार किए गए लोग जिले में आतंकी गतिविधियों में शामिल थे। इसके अलावा, प्रांत के गुजरांवाला और हाफिजाबाद जिलों में उनके ठिकानों पर दो अलग-अलग छापों में एक प्रतिबंधित संगठन के दो आतंकियों को पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोग जिलों में आतंकी गतिविधियों के फाइनेंस के लिए चंदा इकट्ठा कर रहे थे। सभी जगह छापेमारी शनिवार को हुई थी।

ट्यूनीशिया की इस्लामी पार्टी के 113 सदस्यों ने इस्तीफा दिया

ट्यूनिस। ट्यूनीशिया की इस्लामिक पार्टी एन्नाहधा (पुनर्जागरण) के कुल 113 नेताओं और सदस्यों ने सुधारों की कमी के कारण सामूहिक इस्तीफे की घोषणा की है। ये जानकारी राष्ट्रीय ट्यूनिस अफ्रिक प्रेस (टीएपी) की रिपोर्ट से सामने आई है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ट्यूनीशियाई संसद में पहली बहुमत वाली पार्टी एन्नाहधा से शनिवार को इस्तीफा देने वालों में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री अब्देलतीफ मेक्की भी शामिल हैं। सूची में एन्नाहधा की सलाहकार सभा के कई नेताओं के साथ-साथ क्षेत्रीय परिषदों के सदस्य भी शामिल हैं। स्थानीय मीडिया में प्रकाशित एक बयान में, उन्होंने कहा कि उनका इस्तीफा पार्टी के भीतर सुधारों की कमी के कारण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एन्नाहधा का नेतृत्व देश में स्थिति की गिरावट के एक महत्वपूर्ण हिस्से के लिए जिम्मेदार है। बयान के हस्ताक्षरकर्ताओं ने अपने सामूहिक इस्तीफे के निर्णय को एन्नाहधा पार्टी के भीतर आंतरिक लोकतंत्र के विघटन और हाल के वर्षों में निर्णय के केंद्रीकरण के रूप में वर्णित करने के लिए जिम्मेदार ठहराया। 22 सितंबर को, ट्यूनीशियाई राष्ट्रपति कैस सैयद ने संसद की गतिविधियों को निलंबित करने और अपने सभी सदस्यों की प्रतिरक्षा को मुक्त करने के असाधारण उपायों को जारी रखने का एक फरमान जारी किया। सईद ने संसद अध्यक्ष और उसके सभी सदस्यों को दिए गए सभी अनुदानों और विशेषाधिकारों को समाप्त करने का आदेश दिया।

आइसलैंड संसदीय चुनाव में मतदान

रेकैजाविक,। आइसलैंड में मतदाताओं ने देश के संसदीय चुनावों में मतदान किया है, जिसमें स्वास्थ्य देखभाल और जलवायु परिवर्तन चिंता का मुख्य विषय शामिल है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को रात 10 बजे मतदान बंद होने के बाद रविवार को परिणाम घोषित होने की उम्मीद है। आइसलैंडिक सार्वजनिक प्रसारक आरयूवी ने कहा कि 50,000 लोगों तक, या मतदाता सूची में शामिल लोगों में से सिर्फ 19 प्रतिशत से अधिक लोग मतदान कर चुके हैं। 24 सितंबर को गैलप पोल के अनुसार, तीन शासी दलों, इंडिपेंडेंस पार्टी, प्रोग्रेसिव पार्टी और लेफ्ट-ग्रीन मूवमेंट, को संसद में 63 में से 35 सीटों के साथ संयुक्त 50 प्रतिशत समर्थन मिल सकता है। नौ दलों के प्रतिनिधित्व की संभावना है। आइसलैंड में संसद 63 सदस्यों से बनी है और हर चार साल में चुनी जाती है जब तक कि जल्द ही भंग न हो जाए। लगभग 370,000 की आबादी वाले गैर-यूरोपीय संघ के देश ने 2017 में अपना आखिरी संसदीय चुनाव आयोजित किया। लेफ्ट-ग्रीन मूवमेंट के नेता कैटरीन जैकब्सडॉटिर ने प्रधानमंत्री बनने के लिए वह चुनाव जीता और फिर से चुनाव की मांग कर रहे हैं।

जर्मनी में मतदान, मर्केल युग का अंत होगा

बर्लिन (एजेंसी)।

जर्मनी मतदाताओं ने रविवार को एक नई बुंडेस्टैग या संघीय संसद का चुनाव करने के लिए मतदान किया, जो अगले चार वर्षों के लिए एक नई सरकार बनाएगी और एंजेला मर्केल के बाद के युग की शुरूआत करेगी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, फेडरल रिटर्निंग ऑफिसर के अनुसार, रविवार को लगभग 6.04 करोड़ नागरिक मतदान के लिए पात्र हैं। समाचार एजेंसीकी रिपोर्ट के अनुसार, मतदान केंद्र सुबह 8 बजे खुले और शाम 6 बजे बंद हो जाएंगे।

हालांकि, 2017 में पिछले चुनाव में 28.6 प्रतिशत की तुलना में कम से कम 40 प्रतिशत पात्र मतदाताओं ने डाक द्वारा अपना मत डाला था। मतदान संस्थान चयनित मतदान केंद्रों से बाहर निकलने पर गुमनाम रूप से मतदाताओं का साक्षात्कार लेंगे और प्रारंभिक परिणाम सार्वजनिक प्रसारकों के माध्यम से चुनाव समाप्त होने के ठीक बाद प्रकाशित किए जाएंगे।

इस चुनाव का बहुत महत्व है क्योंकि मौजूदा चांसलर एंजेला मर्केल लगभग 16 वर्षों तक कार्यालय में रहने के बाद फिर से चुनाव नहीं लड़ेंगी। जैसे ही वह अपने राजनीतिक करियर से सेवानिवृत्त होंगी, जर्मनी और कुछ हद तक, यूरोपीय संघ अस्पष्ट संभावनाओं के साथ एक नए युग में प्रवेश करेगा। मुकाबला इतना कड़ा है कि यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि बुंडेस्टैग में कौन सी पार्टी सबसे ज्यादा सीटें हासिल करेगी। नवीनतम जनमत सर्वेक्षण परिणामों के अनुसार, दिवंगत सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी, वित्त मंत्री ओलाफ शोल्ज के साथ अपने चांसलर उम्मीदवार के रूप में, मर्केल की यूनियन पार्टी से केवल 1 से 4 प्रतिशत अंक आगे सूची में सबसे ऊपर है, जिसके चांसलर उम्मीदवार आर्मिन लास्केट है, जो उत्तरी राइन-वेस्टफेलिया राज्यमंत्री अध्यक्ष हैं।

जनमत सर्वेक्षण के परिणामों से यह भी पता चला है कि ग्रीन्स शायद तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन जाएगी, जबकि मौजूदा बुंडेस्टैग में अन्य तीन पार्टियां, फ्री डेमोक्रेटिक पार्टी, लेफ्ट पार्टी और जर्मनी के लिए दक्षिणपंथी वैकल्पिक, 5 को पार करने की संभावना है।

यमन में हाउती हमले में 6 लोगों की मौत

सना। उत्तर-पश्चिमी यमनी प्रांत के हज्जाह में सार्वजनिक अवकाश मनाने वाली भीड़ पर हाउती विद्रोहियों द्वारा दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल की चपेट में आने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक घायल हो गए। एक सरकारी अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने सिन्हुआ न्यूज एजेंसी को बताया कि जब शनिवार देर रात हमला हुआ, तो माना जा रहा है कि सैकड़ों स्थानीय निवासी और सैनिक देश की 1962 की क्रांति की 59वीं वर्षगांठ के अवसर पर मिडी सिटी के एक सार्वजनिक चौक में एक कार्यक्रम में भाग ले रहे थे, जो कि सरकारी नियंत्रण में है। अज्ञात सरकारी अधिकारी के अलावा, किसी अन्य स्रोत ने हताहतों की पुष्टि नहीं की है। यमन की 1962 की क्रांति ने देश को एक गणतंत्र में बदल दिया। इसकी वर्षगांठ एक यमनी सार्वजनिक अवकाश है जो 26 सितंबर को पड़ता है, और इस वर्ष की वर्षगांठ को सरकार द्वारा नियंत्रित शहरों और प्रांतों में आयोजित समारोहों द्वारा चिह्नित किया गया था। यमन 2014 से गृहयुद्ध में फंसा हुआ है जब ईरान समर्थित हाउती समूह ने देश के उत्तर के अधिकांश हिस्से पर नियंत्रण कर लिया और राष्ट्रपति अब्द-रब्बू मंसूर हादी की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को राजधानी सना से बाहर कर दिया। हाउती विद्रोहियों के साथ वर्षों की लड़ाई के बाद सरकारी सेना ने 2018 में मिडी पर फिर से कब्जा कर लिया।

तालिबान के साथ खड़ा है अमेरिका, चीन और पाकिस्तान, रूस के विदेश मंत्री का बयान

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने शनिवार को कहा कि रूस, चीन, पाकिस्तान और अमेरिका यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं कि अफगानिस्तान का नया तालिबान शासन अपने वादों को पूरा करे और विशेष रूप से एक वास्तविक प्रतिनिधि सरकार बनाने और चरमपंथ को फैलने से रोकने के लिए काम करे। सर्गेई लावरोव ने कहा कि चारों देश लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि रूस, चीन और पाकिस्तान के प्रतिनिधियों ने तालिबान और ''धर्मनिरपेक्ष प्राधिकार वर्ग'' के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने के लिए हाल में कतर और फिर अफगानिस्तान की राजधानी काबुल की यात्रा की।

धर्मनिरपेक्ष प्राधिकार में पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई और अब अपदस्थ हो चुकी सरकार की तालिबान के साथ बातचीत के लिए वार्ता परिषद का नेतृत्व कर रहे अब्दुल्ला अब्दुल्ला शामिल हैं। लावरोव ने कहा कि तालिबान द्वारा घोषित अंतरिम सरकार ''अफगान समाज की जातीय-धार्मिक और राजनीतिक ताकतों को प्रतिबिंबित नहीं करती है, इसलिए हम संपर्क में हैं जो लगातार जारी है।'' तालिबान ने एक समावेशी सरकार का वादा किया है, जो पिछली बार 1996 से 2001 तक देश पर शासन करने की तुलना में इस्लामी शासन का एक अधिक उदार रूप होगा, जिसमें महिलाओं के अधिकारों का सम्मान करना, 20 साल के युद्ध के बाद स्थिरता प्रदान करना, आतंकवाद और उग्रवाद से लड़ना और हमले शुरू करने के लिए आतंकवादियों को अपने क्षेत्र का इस्तेमाल करने से रोकना शामिल है। लेकिन तालिबान के हाल के कदमों से पता चलता है कि वे खासकर महिलाओं और लड़कियों के प्रति अधिक दमनकारी नीतियों की ओर लौट रहे हैं।

लावरोव ने कहा, ''सबसे महत्वपूर्ण यह सुनिश्चित करना है कि जिन वादों की उन्होंने सार्वजनिक रूप से घोषणा की है, उन्हें पूरा किया जाए और हमारे लिए यह सर्वोच्च प्राथमिकता है।'' संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में और इसके बाद एक विस्तृत संवाददाता सम्मेलन में लावरोव ने अफगानिस्तान से अमेरिका की जल्दबाजी में वापसी के लिए बाइडन प्रशासन की आलोचना की। उन्होंने कहा कि अमेरिका और नाटो ने ''परिणामों पर विचार किए बिना... अफगानिस्तान में कई हथियार छोड़े हैं।'' उन्होंने कहा कि ऐसे हथियारों का इस्तेमाल ''विनाशकारी उद्देश्य'' के लिए नहीं होना चाहिए।

बाद में महासभा में अपने संबोधन में लावरोव ने अमेरिका और उसके सहयोगियों पर ''आज की प्रमुख समस्याओं को हल करने में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को कम करने या इसे दरकिनार करने या किसी के स्वार्थपूर्ण हितों को बढ़ावा देने के लिए इसे एक उपकरण के रूप में लगातार इस्तेमाल करने का प्रयास करने का आरोप लगाया।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका भी संयुक्त राष्ट्र को दरकिनार कर रहा है।

अफगान महिलाओं के समर्थन में इटली में हजारों लोगों ने किए प्रदर्शन

रोम। (एजेंसी)।

इटली के अनेक शहरों में हजारों लोगों ने अफगानिस्तान की महिलाओं के समर्थन में शनिवार को प्रदर्शन किए और मांग की कि तालिबान के नेताओं पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाया जाए और उनसे कहा जाए कि वे अफगानिस्तान में महिलाओं को शैक्षणिक एवं राजनीतिक जीवन में शामिल होने की अनुमति दें। प्रदर्शन आयोजित करने वाले समूहों में पेंजिया फाउंडेशन भी शामिल था जिसने अफगानिस्तान की महिलाओं के आर्थिक विकास के लिए 20 वर्ष तक विविध परियोजनाएं चलाईं और तालिबान के देश पर कब्जा कर लेने के बाद वहां से महिलाओं को निकालने के अभियानों में भी मदद दी।

शनिवार को प्रदर्शन करने वाले पेंजिया फाउंडेशन के समर्थकों ने अपने हाथों पर 'पी' अक्षर बना रखा था। काबुल हवाईअड्डे पर अपनी पहचान के लिए अफगान महिलाएं भी इसी तरह अपने हाथों पर 'पी' बनाती थीं। पेंजिया की उपाध्यक्ष सिमोना लांजोनी ने रोम में प्रदर्शन के दौरान कहा, ''हमें दबाव बनाकर रखना होगा ताकि वहां (अफगानिस्तान में) महिलाएं न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि राजनीति में भी शामिल हो सकें। मानवीय बचाव का काम भी विशिष्ट तरीके से जारी रखना होगा जिनमें उन महिलाओं को प्राथमिकता दी जाए जो अगस्त में काबुल हवाईअड्डे पर नहीं आ सकीं थीं लेकिन आज जो अफगानिस्तान में जोखिम में हैं।

पुराने ढर्रे पर लौटा तालिबान, चौराहों पर क्रेन से शवों को लटकाना किया शुरू !

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में तालिबान का राज स्थापित होने के बाद अत्याचार, बर्बरता और क्रूरता ही खबरें सामने आने लगी हैं। आपको बता दें कि तालिबान ने पश्चिमी अफगानिस्तान के हेरात शहर के मुख्य चौराहे में एक शव को क्रेन से लटका दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने इसकी जानकारी दी। सोशल मीडिया में क्रेन से लटकाए गए शव का वीडियो भी वायरल हो रहा है।

चौक के किनारे एक फार्मेसी चलाने वाले वज़ीर अहमद सिद्दीकी ने 'द एसोसिएटेड प्रेस' को जानकारी दी कि चार शवों को चौराहे पर लाया गया लेकिन तीन शवों को शहर के अन्य हिस्सों पर प्रदर्शित करने के लिए ले जाया गया। सिद्दीकी ने बताया कि चौराहे पर तालिबान ने घोषणा की कि यह चार लोग अपहरण में शामिल थे जिन्हें पकड़ लिया गया था लेकिन पुलिस ने उन्हें मार डाला। यह कह पाना मुश्किल था कि चारों पुलिस की गोलीबारी में मारे गए या फिर गिरफ्तारी के बाद उन्हें मार दिया गया।

हाल ही में तालिबान के संस्थापकों में से एक रहे मुल्ला नूरुद्दीन तुराबी ने 'द एसोसिएटेड प्रेस' को बताया था कि अफगानिस्तान में एकबार फिर फांसी और अंगों को काटने की सजा दी जाएगी।

तालिबान पर हैं सभी की निगाहें

15 अगस्त को काबुल में तालिबान की एंट्री के साथ ही अमेरिकी समर्थित अशरफ गनी सरकार गिर गई और फिर तालिबान ने कुछ हफ्तों के बाद सरकार गठन का ऐलान कर दिया। अफगानिस्तान का यह पूरा घटनाक्रम विश्व के तमाम देश देख रहे थे। सभी की निगाहें इस वक्त तालिबान पर टिकी हुई हैं कि वह पहले की तरह फिर से कठोर और क्रूर शासन तो नहीं करने वाला है।

हालांकि तालिबान के द्वारा किए जाने वाले अत्याचारों की लगातार खबरें सामने आ रही हैं। कभी पत्रकारों को पीटने की खबर तो कभी पुलिस अधिकारियों को मौत के घाट उतार देने की खबर इत्यादि।

जल्द ही बूस्टर शॉट शुरू करेगा दक्षिण कोरिया: प्रधानमंत्री

सियोल (एजेंसी)।

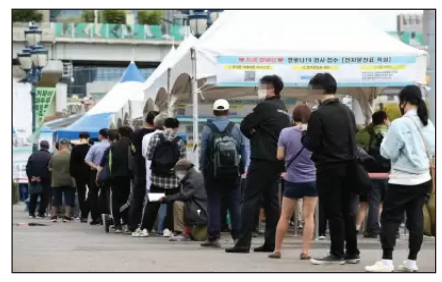

राष्ट्रीय अवकाश के बाद नए मामलों में वृद्धि के बीच दक्षिण कोरिया के प्रधानमंत्री किम बू-क्यूम ने रविवार को यहां कहा कि उनका देश निकट भविष्य में 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों और चिकित्साकर्मियों सहित उच्च जोखिम वाले लोगों के लिए बूस्टर कोविड-19 शॉट्स देना शुरू करेगा।

योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, किम ने यह भी कहा कि कोरिया रोग नियंत्रण और रोकथाम एजेंसी (केडीसीए) सोमवार को बूस्टर शॉट कार्यक्रम सहित चौथी तिमाही में टीकाकरण योजना की घोषणा करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि अगले महीने की शुरूआत से, सरकार दो-खुराक वाले टीकों के पहले और दूसरे शॉट्स के बीच के अंतराल को कम कर देगी ताकि पूरी तरह से टीकाकरण करने वालों के प्रतिशत को और बढ़ाया जा सके।

प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि जो लोग अपने टीकाकरण अंतराल को छोटा करना चाहते हैं, उनके लिए प्रक्रिया परिवर्तन के कारण भ्रमित या असुविधाजनक नहीं होगा। इसके अलावा, किम ने कहा कि किशोरों और गर्भवती महिलाओं को शामिल करने के लिए टीकाकरण के अधीन लोगों का विस्तार किया जाएगा। हाल ही में थैंक्सगिविंग के कोरियाई समकक्ष चुसेक अवकाश के बाद संक्रमण में वृद्धि पर स्पर्श करते हुए, किम ने वर्तमान स्थिति को बहुत गंभीर बताया है। किम ने उस योजना का जिक्र करते हुए कहा, इस सप्ताह कोरोनोवायरस की स्थिति सामान्य जीवन के लिए चरणबद्ध रिकवरी की योजना के शुरूआती बिंदु को निर्धारित करेगी। सरकार अगले महीने के अंत में इसे लागू करना शुरू करना चाहती है।

जयशंकर ने मोदी के यूएनजीए भाषण से 12 बड़ी नीतिगत बातें बताईं

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में अपना 22 मिनट का संबोधन पूरा करने के कुछ मिनट बाद, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पीएम के भाषण से 12 बड़ी नीतिगत बातें ट्वीट कीं।

लोकतंत्र पर भारत को व्याख्यान देने का प्रयास करने वालों के लिए सबसे पहले टेकअवे एक उत्तर था। जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि भारत लोकतंत्र की जननी है और अपने स्वयं के अनुभवों के आधार पर, पीएम पुष्टि करते हैं कि लोकतंत्र उद्धार कर सकता है, लोकतंत्र ने दिया है।

दूसरा, मोदी की शासन दृष्टि वह है जहां कोई भी पीछे न रहे। इसलिए, एकीकृत और समान विकास की खोज। पीएम द्वारा साझा की गई संख्या सरकार के रिकॉर्ड के लिए बोलती है।

तीसरा, वैश्विक प्रगति पर भारत के विकास का प्रभाव स्पष्ट है। जब भारत बढ़ता है, तो दुनिया बढ़ती है, जब भारत सुधार करता है, तो दुनिया बदल जाती है।

चौथा, भारत का वैश्विक भलाई के लिए एक विदेश नीति का मजबूत संदेश (विशेष रूप से) एक उत्तरदाता और एक योगदानकर्ता के रूप में भारत के महत्व को रेखांकित किया गया था।

पांच, एक प्रमुख शक्ति के रूप में अपनी स्थिति के साथ गठबंधन, भारत की प्रतिबद्धता दुनिया को टीके की आपूर्ति इस संबंध में एक स्पष्ट संकेतक है।

छठा, प्रधानमंत्री का हमारे दैनिक जीवन में प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डाला गया। लेकिन समान रूप से, लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ प्रौद्योगिकी का महत्व।

सात, एक संदेश कि लचीला और विस्तारित वैश्विक मूल्य श्रृंखला और उत्पादन केंद्र हमारे (दुनिया के) सामूहिक हित में है।

आठ, जलवायु कार्रवाई पर भारत का मजबूत रिकॉर्ड और अक्षय ऊर्जा लक्ष्यों और हरित हाइड्रोजन सहित इसकी महत्वाकांक्षी दृष्टि।

नौ, भारत की सलाह है कि महासागर और उसके (उनके) संसाधनों की रक्षा की जानी चाहिए। इस जीवन रेखा को विस्तार और बहिष्कार से बचाया जाना चाहिए।

दस, प्रधानमंत्री की चेतावनी प्रतिगामी सोच और उग्रवाद के खिलाफ। यह इस प्रकार है कि आतंकवाद को एक राजनीतिक उपकरण के रूप में उपयोग करने से इसका अभ्यास करने वालों पर उल्टा असर पड़ेगा।

ग्यारह, अफगानिस्तान पर, दुनिया को आतंकवादियों द्वारा अपनी धरती का उपयोग करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। न ही इसकी (अफगानिस्तान की) स्थिति का अन्य राज्यों द्वारा फायदा उठाया जाना चाहिए। दुनिया का अपनी महिलाओं, बच्चों और अल्पसंख्यकों के प्रति दायित्व है।

अंत में, प्रधानमंत्री ने यूएनजीए को बताया कि संयुक्त राष्ट्र को अपनी प्रभावशीलता और विश्वसनीयता को बढ़ाना चाहिए।

यहां पर ध्यान देने योग्य बात यह है कि प्रधानमंत्री का उद्बोधन यह था कि इस संबंध में प्रश्न हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री दिल्ली में वामपंथी उग्रवाद पर आयोजित बैठक में शामिल नहीं हुए

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में दिल्ली में वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) को लेकर हुई एक बैठक में शामिल नहीं हुए। अधिकारियों ने बताया कि बैठक में छत्तीसगढ़ सहित 10 नक्सल प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित किया गया है। उनके मुताबिक, बैठक के दौरान शाह को उग्रवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान और जमीनी स्तर पर की जा रही विकास गतिविधियों का जायजा लेना है। जनसंपर्क विभाग के एक अधिकारी ने बताया, 'छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताभ जैन और पुलिस महानिदेशक डी एम अवस्थी मुख्यमंत्री की तरफ से बैठक में शामिल होने के लिए राष्ट्रीय राजधानी गए हैं।' उन्होंने बताया कि बघेल को रविवार दोपहर राज्य के महासमुंद जिले में चंद्रनाहू कुर्मी समाज के एक सम्मेलन में शामिल होना है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ने ऐसे समय में अहम बैठक में शिरकत नहीं की है, जब छत्तीसगढ़ में वामपंथी उग्रवाद की स्थिति चर्चा का एक प्रमुख एजेंडा हो सकती है, क्योंकि राज्य में पिछले कुछ वर्षों में नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर कई घातक हमले किए हैं। राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि बस्तर में सुरक्षा बलों के शिविर स्थापित करने के मुद्दे पर रविवार को दिल्ली में शाह की बैठक में चर्चा होने की संभावना है। यह शिविर खासकर बस्तर के दक्षिणी हिस्से में स्थापित किए जाने हैं, जिसमें सुकमा, बीजापुर और दंतेवाड़ा शामिल हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण व अन्य विकास कार्यों पर भी चर्चा होने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में तीन ऑक्सीजन संयंत्रों का हुआ उद्घाटन

मुजफ्फरनगर। केंद्रीय मंत्री संजीव बाल्यान और उत्तर प्रदेश के मंत्री कपिल अग्रवाल ने यहां तीन ऑक्सीजन संयंत्रों का उद्घाटन किया। इन संयंत्रों का उद्घाटन शनिवार को यहां बुढाना कस्बे के एक जिला महिला अस्पताल, एक जिला अस्पताल और एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में किया गया। इस कार्यक्रम में, बाल्यान ने कहा कि सरकार कोरोना वायरस महामारी की अगली संभावित लहर से निपटने के लिए खुद को तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि ये संयंत्र पीएम केयर्स फंड के तहत स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द चौथा ऑक्सीजन प्लांट खतोली शहर के सीएचसी में लगाया जाएगा।

कश्मीर के भाजपा नेता की हत्या में शामिल आतंकवादी मुठभेड़ में मारा गया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में रविवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ में भाजपा नेता वसीम बारी की हत्या में शामिल आतंकवादी मारा गया। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। कश्मीर के बांदीपोरा जिले के वत्निरा इलाके में मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस और सेना की एक संयुक्त टीम ने इलाके को घेर लिया और आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष जानकारी के आधार पर तलाशी अभियान शुरू करने के बाद मुठभेड़ हुई। पुलिस ने कहा, भाजपा नेता दिवंगत वसीम बारी के हत्यारे, उनके पिता और भाई मुठभेड़ में मारे गए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता वसीम बारी की उनके भाई और पिता के साथ 8 जुलाई, 2020 को बांदीपोरा में मोटरसाइकिल सवार आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

औषधीय पौधों का बगीचा बनाने के लिए मोदी ने ओडिशा के पटायत साहू की प्रशंसा की

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा के कालाहांडी जिले के पटायत साहू की औषधीय पौधों का बगीचा बनाने के लिए उनकी प्रशंसा की है। रविवार को अपने मन की बात कार्यक्रम के 81वें एपिसोड को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, ओडिशा के कालाहांडी के नांदोल में रहने वाले पटायत साहू जी वर्षों से इस क्षेत्र में अनूठा काम कर रहे हैं। उन्होंने ढेड़ एकड़ की भूमि में औषधीय पौधे लगाए हैं। मोदी ने कहा, इतना ही नहीं, साहू ने इन औषधीय पौधों का दस्तावेजीकरण भी किया है। उन्होंने कहा, मेरे प्यारे देशवासियो, आज हमारे जीवन की स्थिति ऐसी है कि हमारे कानों में दिन में कई बार कोरोना शब्द गूंजता है। सौ साल में सबसे बड़ी वैश्विक महामारी कोविड-19 ने हर देशवासी को बहुत कुछ सिखाया है। आज स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति जिज्ञासा और जागरूकता में वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि परंपरागत रूप से प्राकृतिक उत्पाद सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं और हमारे देश में बहुतायत में उपलब्ध हैं। 65 वर्षीय साहू ने अपने घर के पीछे केवल 1.5 एकड़ भूमि में 3,000 से अधिक औषधीय पौधे लगाए हैं। उन्होंने रसायनों और उर्वरकों का उपयोग किए बिना बगीचे को विकसित किया है।

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में हुए मुठभेड़ में 2 आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। कश्मीर के बांदीपोरा जिले के वत्निरा इलाके में रविवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने कहा, दो अज्ञात आतंकवादी मारे गए। तलाशी जारी है। हथियार और गोला-बारूद सहित आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है।

पुलिस और सेना की एक संयुक्त टीम ने इलाके को घेर लिया और आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष जानकारी के आधार पर तलाशी अभियान शुरू करने के बाद मुठभेड़ हुई।

जैसे ही सुरक्षा बल उस स्थान पर पहुंचे, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे, वे भारी मात्रा में गोलीबारी की चपेट में आ गए जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई। इसके बाद सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को मार गिराया।

गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्रियों के साथ नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छह मुख्यमंत्रियों और चार राज्यों के शीर्ष अधिकारियों के साथ नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा स्थिति और विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन की रविवार को समीक्षा की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बैठक में ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाग लिया।

बैठक के लिए पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और केरल के मुख्यमंत्रियों को भी आमंत्रित किया गया था, लेकिन इन चार राज्यों का प्रतिनिधित्व राज्य के किसी मंत्री या शीर्ष अधिकारियों ने किया। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री ने मुख्यमंत्रियों और अधिकारियों के साथ मिलकर नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा स्थिति और माओवादियों के खिलाफ चल रहे अभियानों तथा विकास परियोजनाओं की समीक्षा की। शाह ने इन राज्यों की जरूरतों, उग्रवादियों से निपटने के लिए तैनात बलों की संख्या, नक्सल प्रभावित इलाकों में किए जा रहे सड़कों, पुलों, विद्यालयों और स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण जैसे विकास कार्यों का जायजा लिया। ओडिशा के मुख्यमंत्री पटनायक ने कहा कि उनके राज्य में माओवादी समस्या केवल तीन जिलों तक सिमट कर रह गई है। बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि इसे और कम करने के लिए क्या किया जाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, गिरिराज सिंह, अर्जुन मुंडा और नित्यानंद राय भी बैठक में शामिल हुए। केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला, खुफिया ब्यूरो के निदेशक अरविंद कुमार, केंद्र एवं राज्य सरकारों के वरिष्ठ असैन्य एवं पुलिस अधिकारी भी इसमें शामिल हुए।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देश में माओवादी हिंसा में काफी कमी आई है और यह खतरा अब लगभग 45 जिलों में है। हालांकि, देश के कुल 90 जिलों को माओवादी प्रभावित माना जाता है और ये मंत्रालय की सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) योजना के अंतर्गत आते हैं। नक्सल समस्या को वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) भी कहा जाता है। यह समस्या 2019 में 61 जिलों में और 2020 में 45 जिलों में देखी गई। देश में 2015 से 2020 तक वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में विभिन्न हिंसात्मक गतिविधियों के कारण लगभग 380 सुरक्षाकर्मी, 1,000 असैन्य नागरिक और 900 नक्सली मारे गए हैं। आंकड़ों में कहा गया है कि इसी अवधि के दौरान कुल 4,200 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण भी किया है।

किसानों के 'भारत बंद' पर बोलीं मायावती, कहा- विरोध प्रदर्शन को बसपा का समर्थन

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ संयुक्त किसान मोर्चा के 'भारत बंद' का समर्थन करते हुए केंद्र सरकार से इन कानूनों को वापस लेने की मांग की है। बसपा प्रमुख ने रविवार को ट्वीट किया, ''केन्द्र द्वारा जल्दबाजी में बनाए गए तीन कृषि कानूनों से असहमत और दुखी देश के किसान इनकी वापसी की मांग को लेकर लगभग 10 महीने से पूरे देश व खासकर दिल्ली के आसपास के राज्यों में आन्दोल कर रहे हैं और उन्होंने सोमवार को 'भारत बंद' का आह्वान किया है जिसके शांतिपूर्ण आयोजन को बसपा का समर्थन।'' अपने सिलसिलेवार ट्वीट में मायावती ने कहा, ''साथ ही, केन्द्र सरकार से पुनः अपील है कि वह किसान समाज के प्रति उचित सहानुभूति व संवेदनशीलता दिखाते हुए तीनों विवादित कृषि कानूनों को वापस ले तथा आगे उचित सलाह-मशविरा व इनकी सहमति से नया कानून लाए ताकि इस समस्या का समाधान हो। अगर किसान खुश व खुशहाल होंगे तो देश खुश व खुशहाल होगा।'' गौरतलब है कि कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा ने पांच सितंबर को मुजफ्फरनगर की किसान महापंचायत में 27 सितंबर को 'भारत बंद' का एलान किया था।

राजनीतिक फायदे के लिए मानवाधिकार का हनन सुनियोजित षड्यंत्रः डब्ल्यूबी राज्यपाल धनखड़

जयपुर। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने शनिवार को मानवाधिकार हनन को लेकर एक तरह से राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा और कहा कि मानवाधिकारों का हनन 'सुनियोजित षड़यंत्र' है, जो खास राजनीतिक लाभ के लिए किया जाता है। पश्चिम बंगाल में हो रहे मानवाधिकारों के हनन की ओर इशारा करते हुए राज्यपाल ने कहा, ''मानवाधिकारों का संरक्षण जरूरी है। अधिकारों का हनन हो और प्रशासन और न्यायालय से मदद नहीं मिले तो व्यक्ति कहां जाए। प्रशासन उन लोगों की मदद करता है, जो अधिकारों का हनन कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा,'' मानवाधिकारों का हनन सुनियोजित षड़यंत्र है, जो खास राजनीतिक उपलब्धि के लिए किया जाता है। यह भारत के संविधान पर कुठाराघात है। पश्चिम बंगाल में एक वे लोग हैं जो चैन की नींद सोते हैं और बेपरवाह हैं, उन्हें प्रशासन कुछ नहीं कहेगा। दूसरे वे लोग हैं जो एक पल भी नहीं सो पाते, उनको डर लगाता है।'' धनखड़ शनिवार को जयपुर से लगभग 20 किलोमीटर दूर धानक्या ग्राम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति की ओर से दीनदयाल की 105वीं जयंती पर आयोजित संगोष्ठी में व्याख्यान दे रहे थे।

यहां जारी बयान के अनुसार अपने संबोधन में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सीबीआई दफ्तर में धरना देती हैं और कहती है कि मुझे गिरफ्तार करो या इन्हें छोड़ो। यह घटना किसी अन्य राज्य में होती तो पता नहीं क्या हो जाता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में जो चुनौतियां और समस्याएं है, उनका सामना करने के लिए मैं यहां से उर्जित और ज्यादा ताकत के साथ जा रहा हूं। लड़ाई कितनी ही मुश्किल हो, लड़े बिना काम नहीं चलता। उन्होंने कहा,'' मैं उस भूभाग का राज्यपाल हूं जहां लोगों को इस बात के लिए दंडित किया जाता है कि आपने प्रजातंत्र में अपनी मर्जी से वोट देने की हिमाकत कैसे की।'' उन्होंने कहा कि आगे आकर उन लोगों को आइना दिखाना होगा जो लोगों को भ्रमित कर देश की छवि को धूमिल कर रहे हैं।'' धनखड़ ने कहा,'' दीनदयाल ने जो बीज बोया था, उस पर समर्पित हुए बिना हम न संस्कृति को बचा पाएंगे, न आजादी को बचा पाएंगे और न ही प्रजातंत्र को फलीभूत कर पाएंगे।''

उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल का कोई भूभाग नहीं है, जहां आजादी की लड़ाई में लोगों ने अपने जीवन की आहुति नहीं दी हो, लेकिन विडंबना है कि आजादी के बाद यह ज्ञान दिये जाने लगा कि आजादी कुछ ही लोगों ने दिलाई।'' उन्होंने कहा कि यह सुअवसर है, हम आजादी के उन लोगों को पहचाने। उनके बारे में ज्ञान प्राप्त करें, जिन्होंने आजादी के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। राज्यपाल ने कहा कि भारत की संस्कृति हजारों साल पुरानी है, दुनिया में भारत को इज्जत के साथ देखा जाता है। यहां के प्रधानमंत्री जिस प्रकार का काम कर रहे हैं, उनका लोहा दुनिया मानती है। केन्द्रीय कला व संस्कृति मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि आजादी के 75 वर्ष मनाने के लिए बनाई गई समिति की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था आजादी का अमृत महोत्सव ऐसा होने चाहिए जिसमें विश्लेषण भी हो और चिंतन भी हो।

प्रधानमंत्री की ही सोच थी कि उन्होंने उत्सव को आजादी का अमृत उत्सव नाम दिया, इसमें भारतीयता की झलक स्पष्ट है। बयान के अनुसार कार्यक्रम को भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में पैरालंपिक में पदक विजेता अवनि लखेरा और देवेंद्र झाझड़िया का अभिनंदन किया गया।

प्रतापगढ़ में कांग्रेस और भाजपा समर्थकों में मारपीट मामले में क्षेत्राधिकारी निलंबित

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश प्रशासन ने प्रतापगढ़ जिले के विकास खंड सांगीपुर के सभागार मे शनिवार को आयोजित गरीब कल्याण मेले में कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थकों के बीच हुई मारपीट के मामले में क्षेत्राधिकारी (पुलिस उपाधीक्षक) लालगंज जगमोहन सिंह को निलंबित कर दिया है। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' से इसकी पुष्टि की। अपर मुख्य सचिव (गृह) अवनीश कुमार अवस्थी ने क्षेत्राधिकारी का निलंबन आदेश जारी किया है।

अवस्थी ने घटना के संदर्भ में पुलिस के उच्चाधिकारियों द्वारा भेजी गई रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए शनिवार देर रात यह कार्रवाई की है। शासनादेश के अनुसार अपर पुलिस महानिदेशक (प्रशासन) की रिपोर्ट में कहा गया है कि लालगंज के क्षेत्राधिकारी जगमोहन सिंह ने कार्यक्रम स्थल पर अलग-अलग राजनीतिक दलों के लोगों के एक साथ मंच पर उपस्थित होने का पूर्वानुमान नहीं किया और पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था नहीं की जिससे वहां शांति व्यवस्था को लेकर गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई। अवस्थी ने अपने आदेश में लिखा है कि रिपोर्ट से स्पष्ट है कि क्षेत्राधिकारी ने शासकीय कर्तव्यों में लापरवाही, अकर्मण्यता और अदूरदर्शिता का परिचय दिया है। उनके इस कृत्य से सरकार और विभाग की छवि धूमिल हुई है इसलिए तत्काल प्रभाव से उन्हें निलंबित करते हुए उनके विरूद्ध विभागीय कार्रवाई शुरू की जाती है।

उल्लेखनीय है कि शनिवार को आयोजित गरीब कल्याण मेले में कांग्रेस और भाजपा समर्थकों के बीच हुई मारपीट में दोनों पक्ष के लोग मामूली रूप से घायल हुए हैं, वहीं प्रतापगढ़ के सांसद संगमलाल गुप्ता ने कांग्रेस समर्थकों पर मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस के मुताबिक थाना कोतवाली लालगंज पुलिस ने शनिवार को गुप्ता की शिकायत के आधार पर कांग्रेस नेता तिवारी और उनकी बेटी अराधना मिश्रा उर्फ मोना सहित 27 लोगों व 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

पंजाब के बाद अब राहुल के छत्तीसगढ़ दौरे पर सबकी निगाहें

नई दिल्ली (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ में रोटेशनल मुख्यमंत्री की चर्चा के बीच राहुल गांधी का दौरा राज्य में कांग्रेस की राजनीति का भविष्य तय करेगा। फिलहाल दोनों खेमों में एक नेतृत्व मुख्यमंत्री बघेल और दूसरे का नेतृत्व राज्य के स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव कर रहे हैं, लेकिन दोनों खेमों में सस्पेंस बना हुआ है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि पार्टी राहुल गांधी के सरगुजा और बस्तर के दौरे की तैयारी में व्यस्त है। दोनों आदिवासी क्षेत्र और सरगुजा पर टी.एस. सिंहदेव की मजबूत पकड़ है। मरकाम ने कहा कि वह राज्य में संगठन के मुखिया हैं और किसी खेमे से ताल्लुक नहीं रखते हैं।

हालांकि, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के दौरे की तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं, लेकिन अक्टूबर के दूसरे सप्ताह की शुरूआत में वह जा सकते हैं और राज्य की राजनीति का अंदाजा लगा सकते हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल विकास के मुद्दे पर तेज गति से चल रहे हैं। वह कुछ फैसले लेते रहे हैं और सरकार की जन-हितैषी नीतियों को हाईलाइट करते रहे हैं।

सूत्रों का कहना है कि प्रियंका गांधी वाड्रा के हस्तक्षेप पर बघेल को उत्तर प्रदेश चुनाव तक कुछ राहत मिली है क्योंकि उनकी टीम यूपी में पार्टी के चुनाव प्रबंधन में शामिल है। सिंहदेव खेमे के समर्थकों ने उत्पीड़न का आरोप लगाया है। इस सप्ताह में ही पुलिस ने बिलासपुर में एक सरकारी अस्पताल के एक कर्मचारी के साथ मारपीट करने के आरोप में पंकज सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया, जो पार्टी के पूर्व सचिव और सिंह देव के करीबी हैं। प्राथमिकी के बाद कांग्रेस विधायक शैलेश पांडेय सिंहदेव के जाने माने समर्थक अपने समर्थकों के साथ थाने पहुंचे और कार्रवाई का विरोध दर्ज कराया, जबकि जिला कांग्रेस ने पंकज सिंह के निष्कासन की सिफारिश की है, जिससे फिर से आमना-सामना हो सकता है।

टी.एस. सिंह देव ने कहा था, सभी मुद्दे कांग्रेस नेतृत्व के दायरे में हैं। सिंहदेव के समर्थक मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सत्ता में ढाई साल पूरे होने के बाद से पहरा बदलने पर जोर दे रहे हैं, रोटेशनल मुख्यमंत्री के मुद्दे पर अभी भी सस्पेंस बना हुआ है क्योंकि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की ओर से कोई स्पष्टता नहीं है। रोटेशनल मुख्यमंत्री के फॉर्मूले पर जोर दे रहे सिंहदेव एक लाइन कायम कर रहे हैं कि सब कुछ पार्टी नेतृत्व के दायरे में है, और जो भी फैसला होगा वह स्वीकार किया जाएगा। पंजाब ऑपरेशन के बाद अब सभी की निगाहें राजस्थान और छत्तीसगढ़ पर टिकी हैं, जो इसी तरह की समस्याओं और मुद्दों का सामना कर रहे हैं। राजस्थान में कांग्रेस नेता सचिन पायलट चाहते हैं कि उनकी स्थिति बहाल हो और उन्हें राज्य में शीर्ष पद दिया जाए। वह हफ्ते में दो बार राहुल गांधी से मिल चुके हैं और उनके समर्थकों का कहना है कि छत्तीसगढ़ में टी.एस. सिंहदेव चाहते हैं कि रोटेशनल मुख्यमंत्री के फॉर्मूले का सम्मान किया जाए। समर्थकों के टी.एस. सूत्रों ने कहा कि सिंह देव पायलट की बैठक के बाद से आशान्वित और बदलाव के लिए आश्वस्त हैं, जिन्होंने अपनी बैठक में यह भी कहा है कि वह मुख्यमंत्री के रूप में राज्य का नेतृत्व करना चाहते हैं।

भाजपा लोगों का मनोरंजन कर ही रही है, ऐसे में सिनेमा हॉल खोलने की क्या जरूरत है: राउत

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना सांसद संजय राउत ने रविवार को कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान सिनेमा हॉल और नाट्य सभागारों को खोलने की क्या जरूरत है जब कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लोगों का ''मनोरंजन'' कर ही रही है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है कि कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए आवश्यक सभी नियमों का पालन करने की शर्त के साथ 22 अक्टूबर से राज्य में सिनेमा हॉल और ड्रामा थियेटरों को खोलने की अनुमति दी जाएगी।

शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में अपने साप्ताहिक स्तंभ 'रोकटोक' में राउत ने लिखा कि महाराष्ट्र में विपक्षी दल भाजपा ने सभी सीमाएं लांघ दी हैं। उन्होंने कहा, ''हर दिन, भाजपा नेता किरीट सौमैया राज्य के अलग-अलग मंत्रियों के खिलाफ आरोप लगाते हैं और उनके निर्वाचन क्षेत्रों में जाते हैं। मेरा खयाल है कि राज्य सरकार को उनके दौरों पर रोक नहीं लगानी चाहिए।

उनके आरोप बुलबुलों के समान हैं। महाराष्ट्र भाजपा प्रमुख चंद्रकांत पाटिल का तरीका अलग है।'' राउत ने कहा, ''कोविड-19 महामारी और पाबंदियां भले जारी हैं लेकिन देश में राजनीतिक मनोरंजक कार्यक्रम तो चल रहे हैं। सब तरफ मजाक चल रहा है, विपक्षी दल जो मनोरंजन कर रहा है उसमें रहस्य और हास्य दोनों ही हैं।

सोनिया गांधी को मनमोहन सिंह को नहीं बनाना चाहिए था प्रधानमंत्री, शरद पवार थे योग्य उम्मीदवार : अठावले

इंदौर। (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को प्रधान मंत्री बनना चाहिए था जब 2004 में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) पहली बार सत्ता में आयी थी। उन्होंने कहा कि उनका 'विदेशी मूल' मुद्दा व्यर्थ था क्योंकि वह एक भारतीय नागरिक और लोकसभा सदस्य हैं।

शनिवार को इंदौर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, अठावले ने कहा कि 'जब 2004 के चुनावों में यूपीए को बहुमत मिला, तो मैंने प्रस्ताव दिया था कि सोनिया गांधी को प्रधान मंत्री बनना चाहिए। मेरा मानना था कि उनके विदेशी मूल के मुद्दे का कोई मतलब नहीं है। अगर कमला हैरिस अमेरिका की उपराष्ट्रपति बन सकती हैं तो भारत की नागरिक, राजीव गांधी (पूर्व पीएम) की पत्नी और निर्वाचित लोकसभा सांसद सोनिया गांधी प्रधानमंत्री क्यों नहीं बन सकतीं? उन्होंने यह भी कहा कि अगर सोनिया गांधी उस समय पीएम का पद स्वीकार नहीं करना चाहती थीं तो उन्हें मनमोहन सिंह के बजाय दिग्गज नेता और एनसीपी प्रमुख शरद पवार को पीएम बनाना चाहिए था।

सोनिया गांधी को बनना चाहिए था 2004 में प्रधानमंत्री

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के विदेशी मूल के मुद्दे को वर्ष 2004 के लोकसभा चुनावों के संदर्भ में बेमानी करार देते हुए केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने शनिवार को कहा कि अगर भारतवंशी कमला हैरिस अमेरिका की उपराष्ट्रपति बन सकती हैं, तो इटली में जन्मीं सोनिया गांधी भी 17 साल पहले आम चुनावों में कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की जीत के बाद भारत की प्रधानमंत्री बन सकती थीं। केंद्रीय मंत्री ने यह बात ऐसे वक्त कही है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका की यात्रा पर हैं और उन्होंने वहां हैरिस के साथ बैठक भी की है।

हैरिस अमेरिका की उपराष्ट्रपति बन सकती हैं, तो सोनिया प्रधानमंत्री क्यों नहीं

आठवले ने यहां संवाददाताओं से कहा, जब 2004 के चुनावों में संप्रग को बहुमत मिला था, तब मैंने प्रस्ताव रखा था कि सोनिया गांधी को भारत का प्रधानमंत्री बनना चाहिए। तब मेरा मत था कि उनके विदेशी मूल के मुद्दे का कोई अर्थ नहीं है। उन्होंने आगे कहा, अगर कमला हैरिस अमेरिका की उपराष्ट्रपति बन सकती हैं, तो भारत की नागरिक, राजीव गांधी की पत्नी और लोकसभा के लिए चुनी गईं सोनिया गांधी इस देश की प्रधानमंत्री क्यों नहीं बन सकती थीं? केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2004 में गांधी को प्रधानमंत्री बनना चाहिए था और अगर उन्हें यह पद स्वीकार नहीं करना था, तो कांग्रेस को मजबूत करने के लिए पार्टी के तत्कालीन वरिष्ठ नेता शरद पवार को प्रधानमंत्री बनाया जाना चाहिए था।

मनमोहन सिंह की बजाय शरद पवार को बनाना था प्रधानमंत्री

उन्होंने कहा, पवार जन नेता होने के कारण प्रधानमंत्री पद के लायक थे और कांग्रेस को मनमोहन सिंह के स्थान पर उन्हें प्रधानमंत्री बनाना चाहिए था, लेकिन सोनिया गांधी ने ऐसा नहीं किया। आठवले ने यह भी कहा कि अगर पवार 2004 में देश के प्रधानमंत्री बनते, तो कांग्रेस की ऐसी कथित दुर्गति नहीं होती, जैसी आज हो रही है। गौरतलब है कि पवार फिलहाल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख हैं। राकांपा का गठन 25 मई, 1999 को पवार ने पीए संगमा और तारिक अनवर के साथ मिलकर किया था, जब इटली में जन्मीं सोनिया गांधी द्वारा कांग्रेस के नेतृत्व करने के अधिकार पर विवाद के कारण उन्हें कांग्रेस से निष्कासित कर दिया गया था।

केंद्रीय मंत्री ने हालिया सियासी घटनाक्रम में पंजाब के मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने को मजबूर होने वाले वरिष्ठ नेता अमरिंदर सिंह से आह्वान किया कि कांग्रेस द्वारा उनके भारी अपमान के मद्देनजर उन्हें भाजपा या इसकी अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल हो जाना चाहिए। आठवले ने कहा, अगर सिंह भाजपा में आते हैं, तो पंजाब के आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा की स्थिति मजबूत हो जाएगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

शून्य कार्बन उत्सर्जन हासिल करेंगे गुजरात, बिहार और लद्दाख

नई दिल्ली। दुनिया के कई देशों ने 2050 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन की ओर बढ़ने का ऐलान किया है। हालांकि, भारत पर भी ऐसा करने का दबाव है, लेकिन अभी तक ऐसी कोई घोषणा सरकार की तरफ से नहीं की गई है। बावजूद इसके कई राज्य इस दिशा में कार्य करने लगे हैं। गुजरात, बिहार और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख इस पर कार्य कर रहे हैं। हाल में महाराष्ट्र ने अपने 43 बड़े शहरों को रेस टू जीरो अभियान में शामिल करने का ऐलान किया था। जिसका उद्देश्य भी 2050 तक कार्बन उत्सर्जन को शून्य के स्तर पर पहुंचाना है।

ग्रेमी के एक विश्लेषण के अनुसार, गुजरात में तेजी से अक्षय ऊर्जा क्षमता विकसित करने पर कार्य हो रहा है। उम्मीद है कि 2030 तक वह कोयले से बिजली उत्पादन को घटाकर 16 फीसदी तक ले आएगा, जबकि अभी यह 43 फीसदी है। भारत सरकार के 450 गीगावाट अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जिन राज्यों में तेजी से कार्य हो रहा है, उनमें एक गुजरात भी है। इतना ही नहीं गुजरात कच्छ में ग्रिड स्केल बैटरी स्टोरेज प्लांट भी स्थापित कर रहा है। गुजरात ऊर्जा विकास निगम के आंकड़ों के अनुसार राज्य में अभी जल विद्युत से 2.4, सौर ऊर्जा से 9.3, पवन ऊर्जा से 23.7, गैस से 14.5, कोयले से 43.6 तथा लिग्नाइट से 4.9 फीसदी बिजली पैदा की जा रही है। केंद्र शासित राज्य लद्दाख सौर एवं पवन ऊर्जा से 10 गीगावाट बिजली तैयार करने पर कार्य कर रहा है। साथ ही वह 50 मेगावाट क्षमता का बैटरी स्टोरेज प्लांट भी स्थापित करने जा रहा है। नीति आयोग ने टेरी को राज्य सरकार को तकनीकी मदद का जिम्मा सौंपा है। यह लद्दाख को नेट जीरो का लक्ष्य हासिल कराने के लिए पर्याप्त है। बता दें कि कार्बन निरपेक्ष से तात्पर्य है कि जितना उत्सर्जन कोई राज्य करता है, उतने ही कार्बन को सोखने की क्षमता उसने विकसित की हो।

मन की बात में बोले पीएम मोदी, छोटे-छोटे प्रयासों से ही बड़े परिवर्तान आते हैं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 81वें संस्करण को संबोधित कर रहे हैं। विश्व नदी दिवस पर मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि हमारे लिए नदियां एक भौतिक वस्तु नहीं है, हमारे लिए नदी एक जीवंत इकाई है। तभी तो हम नदियों को मां कहते हैं। बता दें कि मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण आकाशवाणी और दूरदर्शन के पूरे नेटवर्क, आकाशवाणी समाचार और मोबाइल एप पर किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, आजकल एक विशेष ई-आक्शन चल रहा। ये इलेक्ट्रानिक नीलामी उन उपहारों की हो रही है, जो मुझे समय-समय पर लोगों ने दिए हैं। इस नीलामी से जो पैसा आएगा, वो नमामि गंगे अभियान के लिये ही समर्पित किया जाता है।

हमारे शास्त्रों में नदियों में जरा सा

प्रदूषण करने को भी गलत बताया गया है। हम नदियों की सफाई और उन्हें प्रदूषण से मुक्त करने का प्रयास सबके प्रयास और सहयोग से कर सकते हैं। नमामि गंगे मिशन आज आगे बढ़ रहा है तो इसमें सभी लोगों के प्रयास, जगजागृति, जनआंदोलन की बड़ी भूमिका है।

पीएम ने कहा, भारत में स्नान करते समय एक श्लोक बोलने की परंपरा रही है। गंगे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वति। नर्मदे सिन्धु कावेरी जले अस्मिन् सन्निधिं कुरु। पहले हमारे घरों में परिवार के बड़े ये श्लोक बच्चों को याद करवाते थे और इससे हमारे देश में नदियों को लेकर आस्था भी पैदा होती थी। विशाल भारत का एक मानचित्र मन में अंकित हो जाता था। नदियों के प्रति जुड़ाव बनता था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हमारे लिए नदियां एक भौतिक वस्तु नहीं है। हमारे लिए नदी एक जीवंत इकाई है और तभी तो हम नदियों को मां कहते हैं। हमारे कितने ही पर्व हों, त्यौहार हों, उत्सव हों ये सभी इन माताओं की गोद में भी होते हैं।

पीएम मोदी ने कहा, नदियों का स्मरण करने की परंपरा आज भले लुप्त हो गई हो या कहीं बहुत अल्पमात्रा में

विश्व नदी दिवस पर मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि हमारे लिए नदियां एक भौतिक वस्तु नहीं है, हमारे लिए नदी एक जीवंत इकाई है। तभी तो हम नदियों को मां कहते हैं। बता दें कि मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण आकाशवाणी और दूरदर्शन के पूरे नेटवर्क, आकाशवाणी समाचार और मोबाइल एप पर किया जा रहा है।

बची हो लेकिन एक बहुत बड़ी परंपरा थी जो प्रातः में ही स्नान करते समय ही विशाल भारत की एक यात्रा करा देती थी, मानसिक यात्रा!

इस रेडियो कार्यक्रम के जरिए पीएम मोदी लोगों से संवाद करते हैं और लोगों से जुड़े अहम मुद्दों पर अपने विचार साझा करते हैं। हर महीने के आखिरी रविवार को इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। मन की बात कार्यक्रम के 81वें संस्करण के लिए पीएम मोदी ने जनता से सुझाव भी मांगे थे, जिससे इस कार्यक्रम में नए सुझावों और प्रगतिशील विचारों को शामिल किया जा सके।

बता दें कि अपने तीन दिवसीय दौरे पर अमेरिका में प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति जो बाइडन, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, जापानी प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा व आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्काट मारिसन के साथ बैठक की। इसके बाद उन्होंने क्वाड समिट में हिस्सा लिया और फिर संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र को संबोधित किया। इसके बाद अब आज होने वाले इस रेडियो कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के संवाद में अंतरराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों का जिक्र होने की संभावना है।

15 साल पुराने वाहन घर से उठाकर किए जाएंगे स्क्रैप, पहले डीजल गाड़ियों पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। दिल्ली में अब घरों में खड़े 15 साल पुराने वाहनों को सरकार जब्त करके सीधे कबाड़ (स्क्रैप) कराएगी। पहले चरण में सिर्फ डीजल वाहनों पर कार्रवाई होगी। उसके बाद पेट्रोल और दुपहिया वाहनों पर यह अभियान आगे बढ़ाया जाएगा। परिवहन विभाग ने इसे लेकर आदेश जारी कर दिया है। स्क्रैप कराने के बाद जो पैसा मिलेगा उससे टो शुल्क काटकर बाकी पैसा वाहन मालिक को दे दिया जाएगा।

पहले चरण में 1.5 लाख वाहन दायरे में – पहले चरण में डीजल के 15 साल पुराने 1.5 लाख वाहन इस अभियान के दायरे में आएंगे। वाहनों को कबाड़ करने के लिए परिवहन विभाग ने सात कंपनियों को भी चिन्हित कर लिया है। परिवहन विभाग की ओर से जारी आदेश में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यून (एनजीटी) के आदेश का हवाला देते हुए कहा गया है कि दिल्ली में 15 साल पुराने पेट्रोल और 10 साल पुराने डीजल वाहन नहीं चल सकते हैं। पहले चरण में 10 से 15 साल के बीच के डीजल वाहनों को छूट रहेगी। इसके बाद इन्हें भी स्क्रैप किया जाएगा।

पुराने पेट्रोल वाहन 38 लाख– दिल्ली में 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों की संख्या 38 लाख से अधिक है, जबकि 15 साल पुराने डीजल वाहनों की संख्या 1.5 लाख है। इसके अलावा 10 से 15 साल पुराने डीजल वाहनों की संख्या 7700 है जिन्हें दिल्ली में चलने की अनुमति नहीं है। इस संबंध में परिवहन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमारा मकसद लोगों को डराना नहीं है, बल्कि उन्हें जागरूक करना है, जिससे लोग खुद ऐसे वाहनों को स्क्रैप कराने के लिए आगे आएं। परिवहन विभाग के मुताबिक, सरकार वाहनों को घरों से टो करने के लिए कोई जुर्माना नहीं लगाएगी। वाहन की हालत के हिसाब से उसे प्रति किलो अधिकतम 25 रुपये के हिसाब से भुगतान होगा।

अनुमान- कितना मिलेगा

महिन्द्रा कंपनी वाहन स्क्रैप भी करती है। उसके प्रतिनिधि के मुताबिक 8000 से लेकर इनोवा वाहन पर 80 हजार रुपये तक मिल जाते हैं। हर वाहन के दाम उसकी सेहत देखकर लगते हैं।

धरती से आकाश तक सहयोग करेंगे क्वाड देश, ऐसे होगी चीन की घेराबंदी

नई दिल्ली। क्वाड की बैठक में चार मित्र देशों ने हिंद प्रशांत में मजबूत आधारभूत संरचना, नई उभरती तकनीकी में सहयोग,समुद्री सुरक्षा से लेकर व्यापार के लिए जरूरी सप्लाई चेन तक परस्पर सहयोग का बहुआयामी खाका तैयार किया है। इसमे पूर्वी व दक्षिण चीन सागर में नियम आधारित व्यवस्था की वकालत करते हुए छोटे आइलैंड देशों को सहयोग का वादा करके चीन को स्पष्ट संदेश दिया गया है। वहीं अफगानिस्तान की जमीन का आतंकवाद के लिए उपयोग न होने देने का संकल्प जताते हुए आतंकी फंडिंग और सीमा पार आतंकवाद पर पाकिस्तान को भी इशारों में आगाह किया गया है। क्वाड के शीर्ष नेताओं की पहली आमने-सामने हुई बैठक ने अपने एजेंडे से भविष्य की दीर्घकालिक रणनीति को स्पष्ट कर दिया है। इसमे भविष्य की हर चुनौती में साथ खड़े होने का संकेत है। क्वाड नेताओं की बैठक मोटे तौर पर चार थीम पर आधारित थी। इसमे अफगानिस्तान और क्षेत्रीय सुरक्षा,कोविड - 19 प्रतिक्रिया, टेक और साइबर सुरक्षा और जलवायु का मुद्दा

शामिल था। लेकिन व्यापक रणनीति के तहत कई मुद्दों पर मंथन हुआ। सूत्रों ने कहा क्षेत्रीय सुरक्षा में तालिबान के अलावा चीन से लेकर पाकिस्तान से खतरे भी शामिल थे।

चीन को घेरने की रणनीति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीनी एप का मुद्दा भी उठाया। सेमी कंडक्टर सप्लाई चेन सहयोग के बहाने चीनी बर्चस्व को समाप्त करने की रणनीति पर सहमति बनी। जानकारों का कहना है कि छोटे आइलैंड देशों का सहयोग और आसियान देशो के साथ सहयोग का विस्तार का संकल्प बैठक में जाहिर करके भी चीन को स्पष्ट संकेत दिया गया है कि मनमाने व्यवहार के खिलाफ ये गठजोड़ आने वाले दिनों में और भी व्यापक होगा।

विस्तृत फैक्टशीट में बहुआयामी सहयोग का खाका

क्वाड की विस्तृत फैक्ट शीट में क्वाड के बीच शिक्षा,स्वास्थ्य,सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण आधारभूत ढांचा निर्माण में साझेदारी,वैक्सीन निर्माण व वितरण में सहयोग,साइबर सुरक्षा,सहित अन्य क्षेत्रों में साथ की प्रतिबद्धता जाहिर करके साफ दर्शाया गया है कि क्वाड व्यवहारिक स्तर पर सहयोग का मंच बन रहा है। इसमे एक दूसरे की जरुरतों के मद्देनजर रणनीतिक सहयोग भी शामिल है।

वतन लौट रहे हैं पीएम मोदी, स्वागत की हुई शानदार तैयारी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के लिए रवाना हो गए हैं। अमेरिका के तीन दिवसीय दौरे पर गए पीएम के भव्य स्वागत के लिए भाजपा पार्टी पूरी तरह से तैयार है। अमेरिका की तीन दिवसीय ऐतिहासिक यात्रा से लौट रहे प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में उनके हजारों समर्थकों और पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा ढोल और नगाड़े के साथ स्वागत किया जाएगा।

एयरपोर्ट के बाहर की गई तैयारियां

पीएम के स्वागत के लिए एयरपोर्ट के बाहर तैयारियां भी गई हैं। वहीं दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता, दिल्ली से सात सांसद, भाजपा शासित तीन नगर निगमों के मेयर, एनडीएमसी के सदस्य और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी भी पीएम मोदी के स्वागत के लिए मौजूद रहें। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष गुप्ता ने कहा कि सभी सांसदों को हवाई अड्डे के तकनीकी क्षेत्र में पहुंचने के लिए कहा गया है जहां एक मंच स्थापित किया गया है।

गुप्ता ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री स्वागत के लिए एक बड़ा मंच तैयार किया गया है। उनकी

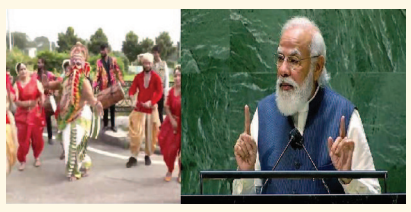

सफल यात्रा का स्वागत करने के लिए माला देश के विभिन्न क्षेत्रों के फूलों से विशेष रूप से तैयार की गई है। पीएम मोदी के स्वागत के लिए विभिन्न राज्यों से करीब 100 ढोल और नगाड़े होंगे। पीएम मोदी के अमेरिका दौरे के बाद आज सुबह करीब 10 बजे राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने की उम्मीद है।

कनाडा ने यात्री उड़ानों पर लगा प्रतिबंध हटाया, आज से फिर शुरू होगी हवाई सेवा

नई दिल्ली। भारत से कनाडा जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर आई है। दरअसल, कनाडा ने कोरोना के चलते महीनों से उड़ानों पर लगे प्रतिबंध को हटा लिया है और अब सोमवार(27 सितंबर) से एक बार फिर हवाई सेवा शुरू हो जाएगी। बता दें कि भारत-से-कनाडा सीधी उड़ान प्रतिबंध 21 सितंबर को समाप्त हो गया था लेकिन उसे एक बार फिर से ट्रांसपोर्ट कनाडा द्वारा 26 सितंबर तक के लिए बढ़ा दिया गया था। हालांकि, अब प्रतिबंध समाप्त होने के साथ, भारत के यात्री अब कुछ एहतियाती उपायों के साथ कनाडा की यात्रा कर सकते हैं।

कनाडा सरकार ने जारी किए नए दिशानिर्देश–कनाडा सरकार के नए दिशानिर्देश के तहत यात्रियों को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कनाडा द्वारा अनुमोदित जेनेस्ट्रिंग लैब से

कोरोना जांच(आणविक) करवानी होगी और परिणाम निगेटिव होने पर ही उन्हें फ्लाइट पर चढ़ने की अनुमति दी जाएगी।

यह जांच कनाडा के लिए उनकी सीधी उड़ान के निर्धारित प्रस्थान के 18 घंटे के भीतर करवानी होगी। कनाडा की यात्रा के लिए भारत में किसी अन्य लैब से किए गए कोविड-19 परीक्षणों को मान्यता नहीं दी जाएगी।

पूरी तरह से टीका लगाए गए यात्रियों को संबंधित जानकारी अराइवकैन मोबाइल एप या वेबसाइट पर भी अपलोड करनी होगी। अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि यात्रियों ने ऐसा किया है और जो इन आवश्यकताओं को पूरा करने में असमर्थ हैं उन्हें बोर्डिंग से वंचित कर दिया जाएगा।

भारत के यात्री जो अप्रत्यक्ष मार्ग से कनाडा की यात्रा कर रहे हैं, उनके पास भारत को छोड़कर किसी अन्य तीसरे देश की नकारात्मक कोविड -19 आणविक परीक्षण रिपोर्ट होनी चाहिए। यह कोरोना जांच प्रस्थान के 72 घंटे के भीतर करवानी होगी।

कनाडा ने इस वजह से हटाया प्रतिबंध–कनाडा ने बुधवार को भारत से आने वाली तीन सीधी उड़ानों में यात्रियों का परीक्षण करने के बाद यात्रा प्रतिबंध हटा लिया। जब अधिकारियों ने कोविड -19 के लिए इन उड़ानों में यात्रियों के आगमन पर परीक्षण किया, तो वे सभी परीक्षण के परिणामों में नकारात्मक आए।

एयर कनाडा 27 सितंबर से तो एयर इंडिया 30 सितंबर से देगी सेवा

अधिकारियों के अनुसार, एयर कनाडा 27 सितंबर (सोमवार) से अपनी हवाई सेवा शुरू कर देगी, जबकि एयर इंडिया 30 सितंबर से कनाडा के लिए अपनी उड़ानें फिर से शुरू कर देगी।

भारत बंद आज, विपक्षी दलों ने किया समर्थन का एलान

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ अपने आंदोलन को और मजबूत करने के लिए कल यानि सोमवार, 27 सितंबर को किसान संगठनों ने भारत बंद आह्वान किया है। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के नेतृत्व के तहत 40 किसान संगठनों ने 27 सितंबर को भारत बंद करने की लोगों से अपील की है। भारत बंद का आह्वान सुबह 06 बजे से शाम 04 बजे तक किया गया है। विपक्षी दल भी अब कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों की जंग में शामिल होंने के संकेत दिए हैं। कांग्रेस और माकपा से लेकर राकांपा और तृणमूल कांग्रेस सरीखे विपक्षी दलों ने किसान संगठनों के 27 सितंबर को बुलाए गए भारत बंद के समर्थन का एलान कर इस मुद्दे पर सरकार की राजनीतिक घेरेबंदी पर फोकस बढ़ाने के इरादे स्पष्ट कर दिए हैं। अब तक किसान संगठनों को नैतिक समर्थन दे रहे विपक्षी खेमे के कई दलों ने तो इस बंद के समर्थन में सड़क पर उतरने का भी एलान कर दिया है।

किसानों के विरोध प्रदर्शन के 10 माह पूरे–दिल्ली की सीमाओं पर किसानों का विरोध प्रदर्शन के भी 26 सितंबर यानि आज को 10 महीने हो जाएंगे। किसानों का कहना है कि भारत बंद से उनका यह किसान आंदोलन और मजबूत होगा। एसकेएम ने कहा है कि समाज के विभिन्न वर्गों को देश के विभिन्न हिस्सों में किसान संगठनों द्वारा किसानों के समर्थन और एकजुटता के लिए संपर्क किया जा रहा है, जो भारत के लोकतंत्र की रक्षा के लिए एक आंदोलन से साथ जुडे हैं।

इन राज्यों में बंद का दिखेगा असर

भारत बंद का असर उन राज्यों में अधिक दिखाई दे सकता है जहां विपक्ष की सरकार है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के अलावा माकपा महासचिव सीताराम येचुरी ने भी खुलकर इस बंद में किसान संगठनों के साथ शामिल होने की घोषणा पहले ही कर दी है। बिहार में राजद के प्रमुख नेता तेजस्वी यादव ने बंद के दौरान तीनों कृषि कानून रद कराने के लिए सड़क पर उतरने की घोषणा की है। आंध्र प्रदेश में तेदेपा, दिल्ली में आम आदमी पार्टी, कर्नाटक में जेडीएस, तमिलनाडु में सत्ताधारी द्रमुक जैसे दलों ने भी बंद का समर्थन करने का एलान करते हुए केंद्र सरकार से कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग की है।

भारत बंद को इन संगठनों का समर्थन

-कांग्रेस और माकपा से लेकर राकांपा और तृणमल कांग्रेस सरीखे विपक्षी दलों ने किसान संगठनों के 27 सितंबर को बुलाए गए भारत बंद के समर्थन का एलान किया।

- अखिल भारतीय बैंक अधिकारी परिसंघ (एआईबीओसी) ने 'भारत बंद' को अपना समर्थन दिया है। इसलिए ऐसी संभवनाएं हैं कि देश में कई बैंक में 27 सितंबर को काम नहीं होगा।

- संयुक्त किसान मोर्चा एसकेएम ने कहा कि भारत बंद की योजना के लिए श्रमिक संघों, ट्रेड यूनियनों, कर्मचारियों और छात्र संघों, महिला संगठनों और ट्रांसपोर्टरों के संघों को शामिल किया जा रहा है।

- दिल्ली की सीमाओं पर लोगों को आने-जाने में दिक्कत हो सकती है। किसान संगठनों ने कहा है कि वह दिल्ली के अंदर जाकर तो विरोध नहीं करेंगे लेकिन सीमाओं पर रोड ब्लाक किए जाएंगे।

- हरियाणा में 27 सितंबर को सभी राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों को 10 घंटे यानी सुबह 6 बजे से शाम 4 बजे तक ब्लॉक किया जाएगा।

-किसानों ने कहा है कि केंद्र और राज्य सरकार के सभी दफ्तर और संस्थाएं भी बंद रहेंगे।

- मार्केट, दुकान, मॉल, उद्योग भी बंद रहेंगे।

-स्कूल, कालेज, यूनिवर्सिटी और अन्य शिक्षण संस्थानों को भी बंद करवाए जा सकते हैं।

- किसानों का दावा है कि किसी भी तरह का सरकारी या गैर सरकारी सार्वजनिक कार्यक्रम भी नहीं करने दिए जाएंगे।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141180

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com